जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 10 जनवरी, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान पुलिस

सुदृढ़ीकरण, सेवा और सुरक्षा के नए अध्याय का सूत्रपात

कॉनिस्टेबल नव नियुक्ति समारोह

राजस्थान पुलिस में नव-चयनित 10,000 कॉनिस्टेबल को नियुक्ति पत्रों का वितरण

मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विगत दो वर्ष-राजस्थान पुलिस-आपकी सुरक्षा-हमारा संकल्प

- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, वर्ष 2023 की तुलना में नवम्बर 2025 तक फायर आर्म्स के उपयोग के प्रकरणों में 36.03 प्रतिशत की कमी
- एसआईटी का गठन, गत 2 वर्षों में किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में पेपर लीक की घटना नहीं
- संकट में त्वरित सहायता के लिए 1 हजार पुलिस मोबाइल यूनिट्स/प्रथम परिवादी वाहन तैनात
- अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन
- साइबर क्राइम पर नियंत्रण हेतु 27 साइबर हेल्पलाइन एवं प्रत्येक जिले में साइबर थाने का संचालन
- अपराधों में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2025 में 14.13 प्रतिशत की कमी
- महिला अत्याचार में वर्ष 2023 की तुलना वर्ष 2025 में 9.94 प्रतिशत की कमी
- दुष्कर्म प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय वर्ष 2023 में 106 से घटकर वर्ष 2025 में 56 दिवस
- पोक्सो एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय वर्ष 2023 में 102 से घटकर वर्ष 2025 में 59 दिवस
- एसटी/एससी अत्याचारों में वर्ष 2023 की तुलना वर्ष 2025 में 28.29 प्रतिशत की कमी

10 जनवरी, 2026 | दोपहर 1:30 बजे | राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

पुलिस विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

हमेशा याद रखिए कि सफलता के लिए किया गया आपका अपना संकल्प किसी भी और संकल्प से ज्यादा महत्व रखता है। –अब्राहम लिंकन

नई नीतियां, नया दौर : राजस्थान का युवा और बदलती सरकारी सोच

राजस्थान सरकार ने हाल के वर्षों में जिस दृढ संकल्प और दूरदृष्टि के साथ युवा सशक्तिकरण की नीतियाँ तैयार की हैं, वह न केवल राज्य के भविष्य को मजबूत करने वाली है, बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत कर रही है। नई सरकार ने सत्ता संभालते ही युवाओं की बेरोजगारी, कौशल अभाव और सीमित अवसरों जैसी चुनौतियों को प्राथमिकता दी और ठोस कदम उठाए, जो यह सिद्ध करते हैं कि युवा राज्य की प्राथमिक पूँजी हैं। रोजगार नीति 2025, कौशल विकास नीति 2025 और युवा नीति जैसे व्यापक दस्तावेज़ों के माध्यम से सरकार ने शिक्षा से रोजगार तक की पूरी श्रृंखला को एकीकृत कर दिया है, जिससे लाखों युवाओं के सपनों को पंख लगने लगे हैं।

राजस्थान सरकार की सोच में मूलभूत परिवर्तन आया है, जहाँ युवा को अब केवल नौकरी का इंतजार करने वाला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर उद्यमी, नवाचारी और सामाजिक परिवर्तनकर्ता के रूप में देखा जा रहा है। पहले की नीतियाँ अक्सर विभागों तक सीमित रहती थीं, लेकिन अब समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और सामाजिक विकास को जोड़ा गया है। सरकार ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं पाँच वर्षों में 10 लाख नई नौकरियाँ सृजित करना, 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना और स्टार्टअप इकोसिस्टम को दोगुना करना जो न केवल घोषणाएँ हैं, बल्कि बजट प्रावधानों और क्रियान्वयन तंत्र के साथ बँधे हुए हैं। यह बदलाव सराहनीय है क्योंकि यह युवा आबादी को बोझ से पूँजी में बदलने की रणनीति है।

कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। कौशल विकास नीति 2025 के तहत 500 से अधिक नए स्किल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी, सोलर एनर्जी और डिजिटल मार्केटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर फोकस है। सरकार ने उद्योग भागीदारों के साथ 200 से अधिक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किए हैं, जिससे प्रशिक्षण 80 प्रतिशत प्लेसमेंट से जुड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल स्किल वैन और महिलाओं के लिए विशेष बैच चलाए जा रहे हैं, जो सामाजिक समावेश को सुनिश्चित करते हैं। हाल ही में आयोजित क्षेत्रीय एआई प्रभाव सम्मेलन में एक लाख युवाओं को एआई प्रशिक्षण देने का ऐलान सराहनीय है, जो राजस्थान को डिजिटल अर्थव्यवस्था का हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाएँ, लोकसाहित्य और इतिहास भी युवाओं के लिए प्रेरणा और आत्मसम्मान का स्त्रोत बन सकते हैं। यदि नीतियाँ इस बात का ध्यान रखें कि युवा केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक वाहक भी है, तो उसे अपने प्रदेश और परंपरा से जुड़ने के ज्यादा अवसर मिलेंगे। विरासत पर्यटन, लोककला आधारित उद्यम, ग्रामीण और रेगिस्तानी क्षेत्रों में सांस्कृतिक इको पर्यटन जैसी अवधारणाएँ युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार, उद्यम और गौरव, तीनों दे सकती हैं। इससे पलायन कम हो सकता है और गाँव-कस्बों में भी नई आर्थिक ऊर्जा का संचार हो सकता है।

कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं।

रोजगार सृजन में सरकार की दोहरी रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। एक ओर 1.5 लाख सरकारी रिक्तियों को भरने के लिए तेज भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें ऑनलाइन आवेदन, पारदर्शी परीक्षा और त्वरित परिणाम सुनिश्चित किए गए हैं। दूसरी ओर, रोजगार नीति 2025 के तहत निवेश आकर्षित करने से 5 लाख निजी क्षेत्र की नौकरियाँ सृजित होने का लक्ष्य है, जिसमें स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित है। युवा मित्र योजना का पुनरुद्धार 21 हजार युवाओं को सामुदायिक स्तर पर कार्यरत करने के लिए किया गया, जो ठाामीण विकास में उनकी भूमिका बढ़ाता है। ये कदम न केवल बेरोजगारी दर घटाने में सहायक हैं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास का संचार भी कर रहे हैं।

स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने में राजस्थान सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है। स्टार्टअप फंड में 500 करोड़ का प्रावधान, इनक्यूबेशन सेंटर्स का विस्तार और आई-स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों से 10 हजार नए स्टार्टअप उभर रहे हैं। विशेष रूप से एमएसएमई और ठाामीण उद्यमों के लिए सस्ते ऋण, टैक्स छूट और मार्केट लिंकेज प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं और पिछड़े वर्गों के युवा उद्यमी बन रहे हैं। सरकार का वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट दृष्टिकोण लोककला, हस्तशिल्प और कृषि-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा है, जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदल रहा है।

सामाजिक और नैतिक विकास के प्रति सरकार की संवेदनशीलता भी उल्लेखनीय है। नशामुक्ति के लिए 100 नए केंद्र, विश्वविद्यालयों में नई किरण कार्यक्रम और युवा महोत्सवों के माध्यम से लाखों युवाओं को सकारात्मक दिशा दी जा रही है। खेलो इंडिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान योजनाओं से युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित हो रही है। पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन में युवा स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाकर सरकार उन्हें जिम्मेदार नागरिक बना रही है।

डिजिटल शासन में राजस्थान सरकार का योगदान प्रशंसनीय है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुँच रहा है, जिससे भ्रष्टाचार कम हुआ है और पारदर्शिता बढ़ी है। ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता अभियान से दूरस्थ युवा भी मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

सरकार की ये नीतियाँ क्रियान्वयन स्तर पर भी मजबूत हैं। समयबद्ध मॉनिटरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट और फीडबैक तंत्र से सुधार निरंतर हो रहे हैं। चुनौतियाँ स्वाभाविक हैं, लेकिन सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण जैसे भर्ती में सुधार और प्लेसमेंट कैंप समस्याओं का समाधान दर्शाता है।

राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं। युवाओं को अब सरकार के इस समर्थन पर भरोसा कर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि नया दौर और नई नीतियाँ उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी हैं।

आख़िरकार, नई नीतियाँ और नया दौर तभी सार्थक होंगे जब वे केवल हुकूमत की भाषा न रहकर जनजीवन का अनुभव बन जाएँ। राजस्थान का युवा यदि अपने भीतर आत्मविश्वास, जिज्ञासा, संवेदनशीलता और साहस को जगाए, और सरकार यदि ईमानदारी, पारदर्शिता और दूरदृष्टि के साथ उसके साथ खड़ी रहे, तो यह साझेदारी राज्य को नए सामाजिकआर्थिक संस्कार की दिशा में ले जा सकती है। बदलती सरकारी सोच और जागरूक, सक्रिय, रचनात्मक युवा-इन दोनों की संयुक्त ऊर्जा ही राजस्थान के भविष्य की असली पूँजी है। यहाँ से आगे का रास्ता न केवल नीतियों की गुणवत्ता से तय होगा, बल्कि इस बात से भी कि युवा और व्यवस्था मिलकर कितनी गहराई से एकदूसरे पर भरोसा कर पाते हैं।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

रेत, रिस्क और रिस्पॉन्स: राजस्थान की महिलाएं क्लाइमेट फ्रंटलाइन पर

मणिमाला शर्मा

थार की तपिश में भी महिलाएं हार नहीं मानती हैं। गर्म हवाओं और सूखे के बीच वे उम्मीद और समाधान की नई उड़ान भर रहीं हैं। राजस्थान का रेगिस्तान हमेशा से कठोर रहा है। तेज़ धूप, कम बारिश और लगातार बदलते मौसम ने यहां की जिंदगी को चुनौतीपूर्ण बनाया है। पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश असंगठित हो गई है, गर्मी की अवधि लंबी और तीव्र हो गई है और पारंपरिक आजीविकाएं अब अनिश्चित हो चुकी हैं। इन बदलावों का सबसे पहला और गहरा असर सीधे-सीधे ग्रामीण महिलाओं पर पड़ता है, क्योंकि पानी, ईंधन, खाना और परिवार की जिम्मेदारियों का बोझ सबसे अधिक उनके कंधों पर होता है। लेकिन यही महिलाएं अब थार के बदलते मौसम की सिर्फ पीड़ित नहीं रहीं हैं। वे अब इन परिस्थितियों से जूझकर अपने जीवन में समाधान का हिस्सा बन रही हैं। राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में महिलाएं सौर ऊर्जा, पारंपरिक टिकाऊ आजीविकाओं और स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से जलवायु अनुकूल बदलाव ला रही हैं। उनकी कहानी बताती है कि चुनौती जितनी बड़ी हो, उम्मीद और हिम्मत उससे कहीं ज्यादा मजबूत हो सकती है।

राजस्थान में बढ़ता तापमान अब केवल मौसम की खबर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट बन चुका है। पिछले दशकों में राज्य के कई हिस्सों में औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ा है। गर्मी अब मार्च से शुरू होकर सितंबर तक खिंच जाती है। हीटवेव के दिनों में खेतों में काम करना मुश्किल हो जाता है, स्कूलों में उपस्थिति घटती है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं।

महिलाओं पर इसका सबसे गहरा असर पड़ता है। खेतों, पशुपालन और घरेलू काम को वे तेज़ गर्मी में भी संभाल लेती हैं। लेकिन इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, लड़कियों का स्कूल ड्रॉपआउट बढ़ता है और घर में बढ़ते काम के साथ उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसी वजह से स्थानीय, जलवायु अनुकूल आजीविकाएं जैसे सौर ऊर्जा, हथकरघा, ऊंट पालन आदि कार्य महिलाओं के लिए सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गए हैं। यहाँ हम ऐसी ही कुछ महिलाओं की कहानी जानेंगे जिन्होंने राजस्थान में जलवायु परिवर्तन को धत्ता बताते हुए अपनी आजीविका का नया ज़रिया तैयार किया है।

1. सोलर मामा - अजमेर जिले के तिलोनिया गांव की सोलर मामा महिलाएं जलवायु समाधान की सबसे जीवंत मिसाल हैं। पहले केरोसिन लालटेन और डीज़ल जनरेटर आम थे, लेकिन अब ये महिलाएं सौर ऊर्जा सिस्टम लगाकर गांव को रोशन कर रही हैं। वे न सिर्फ बिजली पहुंचाती हैं, बल्कि सिस्टम की मरम्मत भी करती हैं। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है, आय स्थिर होती है और महिलाओं का सामाजिक सम्मान बढ़ता है।

2. हथकरघा- उदयपुर और आसपास के आदिवासी इलाकों में हथकरघा सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि जलवायु के अनुकूल उत्पादन प्रणाली है। मशीनों और रासायनिक रंगों के बजाय हाथ से बुना कपड़ा और प्राकृतिक रंगाई कम पानी, कम बिजली और न्यूनतम प्रदूषण पर आधारित है। भील और मीणा समुदाय की महिलाएं अब अपने उत्पादों को शहरों तक सीधी पहुंच दे रही हैं।

3. ऊंट पालन- बाड़मेर के रेगिस्तानी इलाके में ऊंट सदियों से जलवायु के अनुकूल पशु रहा है। कम पानी में जीवित रहने वाला यह जानवर आज स्थायी आय का स्त्रोत बन गया है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाएं ऊंट के दूध को संगठित तरीके से बाजार तक पहुंचा रही हैं। इससे परिवार की आय नियमित हुई है और महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता बढ़ी है।

4. पंचायत और पानी-- बाड़मेर और आसपास के जिलों में महिला सरपंच अब जल प्रबंधन को प्राथमिक मुद्दा बना रही हैं। पंचायत स्तर पर महिलाओं ने जल वितरण, टैंकर व्यवस्था और जागरूकता अभियान शुरू किए हैं।

जलवायु परिवर्तन के आंकड़े- राजस्थान जलवायु परिवर्तन की सबसे संवेदनशील राज्यों में है। पिछले 50 वर्षों में औसत तापमान लगभग 3.4 बढ़ा है। हीटवेव के दिन बढ़े हैं और मानसून असंगठित हो गया है। इससे सूखा प्रभावित जिलों की संख्या बढ़ी है और गांवों में महिलाओं को पानी लाने की दूरी पहले से लंबी हो गई है।

छोटे कदम, बड़ा असर- राजस्थान की ग्रामीण महिलाएं जलवायु संकट के बीच नए समाधान खोज रही हैं। सोलर लाइट, हथकरघा, ऊंट पालन, जल संरक्षण और पंचायत नेतृत्व जैसे प्रयास जीवन को टिकाऊ और सशक्त बना रहे हैं। चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन यह तय है कि राजस्थान की महिलाएं अब सिर्फ संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि समाधान और नेतृत्व की मिसाल बन रही हैं।

–मणिमाला शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है ''बीकानेर ऊँट उत्सव''

ऊँटों को समर्पित ''बीकानेर ऊँट उत्सव'' परंपरा, कला व रोमांच का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है

अंजलिका पंवार

राजस्थान की संस्कृति और जनजीवन में ऊँट अभिन्न हिस्सा है। जब थार की सुनहरी रेत पर सजे-धजे ऊँटों की कतारें कदमताल करती हैं और लोक संगीत की थाप हवाओं में गूंज उठती है, तब बीकानेर एक जीवंत उत्सव में बदल जाता है। 'रेगिस्तान का जहाज़' कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित ''बीकानेर ऊँट उत्सव'' न केवल राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है, बल्कि परंपरा, कला और रोमांच का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करता है। यह तीन दिवसीय उत्सव देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की आत्मा से जोड़ने का अवसर देता है। ''बीकानेर ऊँट उत्सव'' 'रेगिस्तान के जहाज़' कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित एक वार्षिक उत्सव है, जो राजस्थान की सतह से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

''बीकानेर ऊँट उत्सव'' का आगाज़ कुछ इस तरह होगा :-पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव वर्ष 2026 में 9 जनवरी से 11 जनवरी तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित हो रहा है। महोत्सव की शुरुआत ऐतिहासिक जूनागढ़ किले से निकलने वाली सजे-धजे ऊँटों की भव्य शोभायात्रा से होगी, जो बीकानेर की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

ये रहेंगी ''बीकानेर ऊँट उत्सव'' में मुख्य गतिविधियां :-''बीकानेर ऊँट उत्सव'' में ऐसी कई गतिविधियां हैं जो कि आपका ध्यानाकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होंगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :- महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जूनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यून्स तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होंगे और प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क रहेगा। आगंतुकों की सुविधा हेतु निकटतम हवाई अड्डा नाल है, जो बीकानेर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है, जबकि बीकानेर रेलवे स्टेशन शहर के केंद्र से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर है। अधिक जानकारी के लिए पर्यटक टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर, बीकानेर से फोन नंबर 0151-2226701 पर या ईमेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। यह महोत्सव राजस्थान की सांस्कृतिक समृद्धि और ऊँटों की ऐतिहासिक भूमिका को करीब से अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

अंजलिका पंवार,
एपीआरओ, डीआईपीआर

वंदे मातरम् और गणतंत्र का नैतिक धरातल

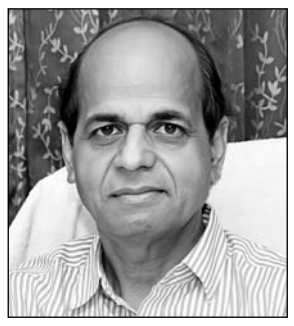

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

वन्दे मातरम् केवल अतीत का गौरवगान नहीं, बल्कि हमारे गणतंत्र का नैतिक भविष्य है। आज जब राष्ट्रवाद अक्सर नारों और प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाता है, तब यह पंक्तियां हमें याद दिलाती है कि मातृभूमि की वास्तविक वंदना सदनों की मर्यादा, नागरिक कत्तव्यों के पालन और आचरण की शुचिता में निहित है। डेढ़ शताब्दी की इस चेतना को 'उद्घोष' से 'किरदार' में बदलने का समय आ गया है।

भारतीय इतिहास के दीर्घ और बहुआयामी फलक पर कुछ शब्द ऐसे हैं जो केवल भाषा की संरचना नहीं रचते, बल्कि समय के साथ राष्ट्र की धड़कन में परिवर्तित हो जाते हैं। 'वन्दे मातरम्' ऐसा ही एक महामंत्र है, एक ऐसा उद्घोष है जिसने गत डेढ़ सौ वर्षों से भारत की सामूहिक चेतना को आलोकित, आंदोलित और दिशा प्रदान की है।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, सन् 1870 के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के अंतर्मन से उपजा यह गीत किसी औपचारिक काव्य के प्रयास का परिणाम नहीं था। यह उस सुप्त राष्ट्रीय चेतना का ओजस्वी स्वर था, जो औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़े भारत को अपनी आत्मा को पहचानने का साहस दे रहा था। 1882 में प्रकाशित उनके उपन्यास आनंदमठ में समाहित यह गीत आगे चलकर केवल साहित्य नहीं रहा,यह स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन गया। वर्ष 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में जब पहली बार इसे सार्वजनिक मंच पर गाया गया, तब से लेकर 26 जनवरी, 1950 को संविधान के लागू होने तक, और उसके बाद भी, वन्दे मातरम् निरंतर भारत के आत्म-संवाद का केन्द्रीय सूत्र बना रहा। गणतंत्र दिवस के इस गौरवमयी अवसर पर यह गीत हमें स्मरण कराता है कि हमारा संविधान और हमारा राष्ट्रवाद किसी शून्य से साकार हुआ विचार नहीं है, बल्कि इसके पीछे डेढ़ शताब्दी का त्याग, तपस्या, संघर्ष और निरंतर चला आ रहा नैतिक मंथन निहित है।

संघर्ष से संविधान तक : पिछले 150 वर्षों में भारत का राजनीतिक मानचित्र ही नहीं शासन-प्रणालियाँ भी बदली हैं, लेकिन वन्दे मातरम् के अर्थ की गहराई और उसकी गरिमा आज भी अक्षुण्ण है। यह गीत उस कालखंड के दौरान आया जब 'भारत' एक सुसंगठित राष्ट्र नहीं, बल्कि औपनिवेशिक शोषण के अधीन बिखरी हुई इकाइयों का एक समूह था। इस गीत की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूमिका यह रही कि इसने एक भौगोलिक भूखंड को माता के रूप में प्रतिष्ठित किया। स्वाधीनता संग्राम के दौर में यह गीत फाँसी के फंदों पर झूलते क्रांतिकारियों का अमर उद्घोष बना। आज के संदर्भ में, वन्दे मातरम् का अर्थ केवल भारत माता की वंदना तक सीमित नहीं है, बल्कि उन संवैधानिक मूल्यों- न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्वकी सतत रक्षा का संकल्प है, जो हमारे संविधान की आत्मा है। विचारणीय है कि क्या वन्दे मातरम् का गायन मात्र एक औपचारिक रस्म बनकर रह गया है? जब हम सदनों के भीतर हमारे माननीयों के अशोभनीय आचरण, निरंतर शोर-शराबा, तख्तियां दिखाने और नारेबाजी के साथ सदन के 'वेल' में आकर कार्यवाही बाधित करने जैसे दृश्य देखते हैं, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या ये हमारे वही प्रतिनिधि हैं, जो कुछ ही समय पूर्व राष्ट्रगीत के सम्मान में खड़े थे?

वन्दे मातरम् हमें अनुशासन, मर्यादा और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च निष्ठा की शिक्षा देता है। सदनों के भीतर होने वाला अमर्यादित व्यवहार न केवल लोकतंत्र की गरिमा को धूमिल करता है, बल्कि उस महामंत्र की मूल भावना का भी तिरस्कार करता है, जिसे गाते हुए हमारे पूर्वजों ने लाठियाँ खाईं और कारावास स्वीकार किया। यदि नीतिगत विमर्श के स्थान पर वैयक्तिक आक्षेप और विखंडन की राजनीति हावी होगी, तो वन्दे मातरम् का उद्घोष अपनी नैतिक साख खोने लगेगा। जनप्रतिनिधियों का आचरण ही वास्तव में संविधान की शुचिता का वास्तविक मानक है।

राजस्थान : जहाँ शौर्य ही वंदन है : जब वन्दे मातरम् के स्वर अरावली की पर्वत-श्रृंखलाओं से साक्षात करते हैं, तो उनकी गूँज और अधिक गहरी हो जाती है। वीर प्रसविनी राजस्थान वह भूमि है, जिसने इस गीत के रचे जाने से सदियों पूर्व ही मातृभूमि की वंदना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लिया था। यहाँ राष्ट्रभक्ति कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि माटी का स्वभाव है। चित्तौड़गढ़ के किले की प्राचीरें और हल्दीघाटी की माटी साक्षी हैं कि यहाँ के योद्धाओं ने सत्ता के आगे झुकने के बजाय घास की रोटियाँ खाना स्वीकार किया।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का संघर्ष वस्तुतः वन्दे मातरम् की उसी भावना का मूर्त रूप है, जिसमें मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सर्वस्व समर्पित कर दिया जाता है। राजस्थान ने इतिहास के हर मोड़ पर यह सिद्ध किया है कि स्वाभिमान से बड़ा कोई संविधान नहीं होता। गणतंत्र दिवस पर राजस्थान का प्रत्येक दुर्ग हमें यह स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं थी यह डेढ़ शताब्दी तक रक्त और पसीने से सींची गई साधना का परिणाम है।

'सुजलां, सुफलां' और मरुधरा का जल-दर्शन : राष्ट्रीय गीत में प्रयुक्त 'सुजलां, सुफलां, मलयज शीतलां' के शब्द राजस्थान के संदर्भ में विशेष अर्थ ग्रहण कर लेते हैं। जहाँ जल दुर्लभ है, वहाँ 'सुजलां' होने की आकांक्षा केवल काव्यात्मक कल्पना नहीं, बल्कि कठोर तपस्या है। बिश्नोई समाज और खेजड़ली का बलिदान यह सिखाता है कि मातृभूमि की रक्षा केवल सीमाओं की नहीं, बल्कि उसके नैसर्गिक स्वरूप की रक्षा भी है।

नारों से आगे आचरण की कसौटी : डेढ़ शताब्दी की इस लम्बी यात्रा में राष्ट्रवाद की परिभाषा और उसके स्वरूप में कई बदलाव आए हैं। आज के समय में, राष्ट्रप्रेम कई बार केवल प्रतीकों, प्रदर्शन और ऊँचे नारों की प्रदर्शनप्रियता तक सीमित होता प्रतीत होता है। गणतंत्र दिवस केवल एक वार्षिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का विशेष अवसर है जहाँ हमें स्वयं से पूछना होगा कि क्या हमने वन्दे मातरम् को केवल एक औपचारिक गान या भावनात्मक उद्घोष बनाकर तो नहीं छोड़ दिया?

आज के जटिल वैश्विक परिवेश में, संवैधानिक शुचिता और नैतिक निष्ठा ही वास्तविक वन्दे मातरम् है। एक जीवंत गणतंत्र का वास्तविक अर्थ केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों के प्रति सहज सम्मान और अपने कत्तव्यों के प्रति अटूट सजगता है। जब एक नागरिक अपने कार्यस्थल पर ईमानदारी अपनाता है, जब एक जनप्रतिनिधि सदन की मर्यादा की रक्षा करता है और जब समाज का सक्षम वर्ग वंचितों के प्रति संवेदनशील होता है तभी वह सही अर्थों में इस मातृभूमि की वंदना कर रहा होता है। हमें यह समझना होगा कि राष्ट्र के प्रति हमारी भक्ति नारों की गूँज में नहीं, बल्कि हमारे चरित्र की शुद्धता और हमारे नागरिक आचरण की कसौटी पर जाँची जाएगी।

मंत्र से मर्यादा तक : वन्दे मातरम् अतीत का गौरवगान नहीं, भविष्य का मार्गदर्शक है। यह हमें सिखाता है कि राष्ट्र कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, बल्कि वहाँ रहने वाले लोगों का आपसी विश्वास है। इस गणतंत्र दिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम इस गीत को अपने आचरण में उतारेंगे। विशेष रूप से जनप्रतिनिधियों के लिए यह अनिवार्य है कि सदनों में उनका व्यवहार उसी मर्यादा का प्रतीक बने, जिसकी प्रतिध्वनि वन्दे मातरम् में सुनाई देती है। जिस दिन हमारा आचरण हमारे उद्घोष के समान पवित्र होगा, अधिकारों से अधिक कत्तव्यों की चिंता होगी, और मरुधरा की माटी का प्रत्येक कण भ्रष्टाचार व भेदभाव से मुक्त होगा उसी दिन वन्दे मातरम् का स्वप्न पूर्णतः साकार होगा। आइए, इस गणतंत्र दिवस पर संकल्प लें कि हम इस डेढ़ शताब्दी पुराने मंत्र की गरिमा को अपने श्रम, अपनी संसदीय शुचिता और अपने नागरिक चरित्र से और ऊँचाई प्रदान करेंगे। जय हिन्द! जय राजस्थान!

- डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी,
राजस्थान विधानसभा, जयपुर,

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 10 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र दिन 3:40 तक, अतिगंड योग सायं 4:58 तक, बव करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:53 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:40 तक रहेगा। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज कालाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:40 से 9:58 तक, चर 12:34 से 1:52 तक, लाभ-अमृत 1: से 4:24 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:47

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 274 प्रभात जालोर, शनिवार 10 जनवरी, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्रियंका ने पायलट को केरल का मुख्य पर्यवेक्षक काफी सोच समझकर बनवाया है

सोच है कि केरल में के.सी. वेणुगोपाल की दादागिरी से अनावश्यक हानि न हो विधानसभा चुनाव में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। प्रियंका गांधी असम में भाजपा के ताकतवर नेता और मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष बनने के बाद, प्रियंका गांधी अब कुछ राज्यों में चुनावी नैरेटिव (विषय वस्तु) पर नियंत्रण करने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं, साथ ही उन्होंने कुछ नेताओं को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त कर चुनावों और कांग्रेस नेताओं पर निगरानी रखने का भी फैसला किया है। इनमें से कई नेता चुनावों के दौरान दोगला खेल खेलते रहे हैं।

गांधी परिवार के मित्र भंवर जितेन्द्र सिंह का उदाहरण लीजिए, जो असम के प्रभारी हैं। पिछली बार जब वे असम के प्रभारी थे, तब पार्टी बुरी तरह हार गई थी। अब उन्हें फिर से असम का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जहां पार्टी सत्ता में वापसी के लिए संघर्ष कर रही है।

दिलचस्प बात यह है कि भंवर जितेन्द्र सिंह और उनकी टीम के बारे में रिपोर्ट्स बहुत सकारात्मक नहीं हैं। पार्टी नेतृत्व तक यह खबर पहुंची है कि उनके एक सहयोगी ने टिकट देने के बदले पैसे लिए थे, जिससे कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ। अब प्रियंका यह चाहती हैं कि टिकट वितरण पर उनका पूरा नियंत्रण हो।

इसके साथ ही, प्रियंका ने भूपेश बघेल और डीके शिवकुमार को असम के पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है, ताकि चुनावों के लिए जरूरी फंड्स में कोई समस्या न आए। हेमंत बिस्वा सरमा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- पायलट, प्रियंका गांधी को रिपोर्ट करेंगे तथा अगर सभी नेताओं को समुचित मौका नहीं मिल रहा होगा तो यह बात भी प्रियंका गांधी तक पायलट ही पहुंचायेंगे।
- इसी प्रकार प्रियंका, भूपेश बघेल और डी.के. शिवकुमार को भी पर्यवेक्षक के रूप में असम ले गई हैं। यह दोनों भारी नेता हैं और असम में कांग्रेस नेताओं की आपसी फूट व कांग्रेस की रणनीति संबंधित खबरें ''लीक'' करने की प्रवृत्ति पर भी कुछ नियंत्रण तो लगेगा।
- साथ ही, दोनों नेता, डी.के. शिवकुमार व भूपेश बघेल की चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका रहने से, चुनाव खर्च के लिए पर्याप्त धन व साधन उपलब्ध कराये जा सकेंगे।
- अगर, कांग्रेस असम चुनाव जीत जाती है तो प्रियंका की राजनीति में चमक तो आएगी ही, राजस्थान की राजनीति पर भी काफी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वेणुगोपाल राजस्थान में गहलोत, डोटासरा व रंधावा को पनपाना चाहते थे, उनका पक्ष लेते हैं तथा पायलट को रोकना चाहते हैं।

हाई कोर्ट ने क्रिकेटर द्वारा दुष्कर्म के मामले में जाँच अधिकारी को तलब किया

जयपुर, 9 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में क्रिकेटर यश दयाल के खिलाफ जांच कर रहे अनुसंधान अधिकारी को 19 जनवरी को तलब किया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश यश दयाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अग्रिम जमानत याचिका में कहा गया कि पीड़िता घटना साल 2023 में कानपुर में होना बता रही है, जबकि मामला दो साल बाद जयपुर के सांगानेर थाने में दर्ज कराया है। इसके अलावा, पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि घटना के समय वह नाबालिग थी और उसने अपने रिश्तेदार की आईडी से होटल में कमरा बुक कराया था। इसके बावजूद, पुलिस ने उस रिश्तेदार से कोई पूछताछ नहीं की है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक जगह पर टीम के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में मिला था। यदि पीड़िता के साथ कानपुर में दुष्कर्म हुआ तो उसके बाद वह याचिकाकर्ता के साथ

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- अदालत में क्रिकेटर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 19 जनवरी को।

क्या केन्द्र सरकार हिम्मत दिखाएगी, ममता बनर्जी के खिलाफ कार्यवाही करके?

ममता बनर्जी ने अपराध तो किया है, कल गुरुवार को ईडी की रेड के दौरान सबूत के कागज़ात व कम्प्यूटर आदि इलैक्ट्रॉनिक उपकरण पुलिस की मदद से उठाकर ले जाकर

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। ममता बनर्जी पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने उस जगह से सबूत और आपत्तिजनक सामग्री चुराई, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) की टीम अवैध कोयला खनन, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के लीज क्षेत्र से कोयले की चोरी और उससे मिले पैसों को हवाला के जरिए घुमाने के मामले की जांच के लिए सामग्री इकट्ठा कर रही थी।

सबूत चुराना और उन सामग्रियों, जिन्हें ई.डी. कोयला चोरों के खिलाफ अपने केस के लिए इकट्ठा करना चाह रहा था, को लेकर भाग जाना एक जघन्य अपराध था। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी के गुर्गों ने उस अदालत कक्ष में भी भारी हंगामा किया, जहां ई.डी. राहत पाने के लिए पहुंचा था, जिससे सुनवाई स्थगित करनी पड़ी।

कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में ममता बनर्जी ने ऐसे काम किए हैं, जिनसे राज्य पूरी तरह अराजकता में चला गया है। कानून-व्यवस्था मानो खत्म हो चुकी है और पूरे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- ममता बनर्जी ने, उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही हो, उससे पहले शुक्रवार को शहर में बड़ी रैली आयोजित की और प्रचार किया कि केन्द्रीय सरकार ईडी के मार्फत उस कंसल्टैंसी कंपनी पर रेड करके, उनकी पार्टी की चुनावी रणनीति संबंधी प्लान व आंकड़ें चोरी करवाना चाहती थी। अतः उन्होंने वे रणनीति संबंधी कागज़ात, कम्प्यूटर वहाँ से उठाकर अपने कब्जे में किए।
- ईडी ने ममता बनर्जी के अपराध के विरूद्ध न्यायालय में मुकदमा दर्ज करा, पर, ममता बनर्जी के बाहुबलियों ने न्यायालय में भारी भीड़ जमा कर ली तथा ईडी के वकीलों को न्यायालय में उपस्थित नहीं होने दिया।
- अतः मुकदमे की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी और न्यायाधीश को आगे की तारीख देनी पड़ी।
- डर यह है कि जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आता जाएगा, केन्द्रीय सरकार व राज्य सरकार के बीच ऐसे बेतुके मामले और होते रहेंगे।

आई पैक पर ईडी की रेड, ममता जी की प्रतिक्रिया पर मतभेद हैं कांग्रेस के नेताओं में

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और राज्य नेताओं की प्रतिक्रियाएं एकदम उलट हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) द्वारा इंडिया पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई पैक) के कार्यालय और आई पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के कोलकाता के लॉडन स्ट्रीट स्थित आवास पर एक साथ रेड और तलाशी ऑपरेशन को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं में मतभेद दिखाई दे रहा है।

इस मामले में कांग्रेस के वैचारिक मतभेद विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के एक राष्ट्रीय स्तर के नेता और एक राज्य स्तर के नेता की प्रतिक्रिया में स्पष्ट हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आई पैक कार्यालय और उसके सह-संस्थापक प्रतीक जैन आवास पर ईडी की छापेमारी की आलोचना करते हुए एक बयान जारी किया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी, जो सुप्रीम कोर्ट के नामचीन वकील भी हैं, ने आई पैक पर रेड करने की ईडी की कार्यवाही की कड़ी निंदा की और कहा कि ईडी अब राजनैतिक सलाहकारों पर भी रेड करने लगा है।
- ज्ञातव्य है कि अभिषेक मनु सिंघवी कई हाई प्रोफाइल मामलों में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में ममता बनर्जी की सरकार की पैरवी कर चुके हैं।
- इसके विपरीत पश्चिम बंगाल के पूर्व पीसीसी प्रमुख, 5 बार सांसद रहे अधीर रंजन चौधरी ने ईडी की कार्यवाही पर ममता जी की घबराहट पर निशाना साधा और कहा, इसमें जरूर कोई राज़ की बात है।

'कार्यकर्ता एनसीपी को एकजुट देखना चाहते हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कहा है कि नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक होना चाहते हैं और पवार परिवार के भीतर सभी तनाव समाप्त हो गए हैं।

उन्होंने कहा, ''दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एकजुट होना चाहते हैं। दोनों एनसीपी अब एकजुट हैं। हमारे परिवार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- एनसीपी के प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, दोनों धड़ों के कार्यकर्ता एक होना चाहते हैं और अब पवार परिवार में भी तनाव खत्म हो गया है।

'वर्ष 2025 में प्र.मंत्री मोदी और ट्रंप के बीच 8 बार फोन पर बात हुई'

विदेश मंत्रालय ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका का दावा झूठा है कि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया इसलिए ट्रेड डील नहीं हुई

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। विदेश मंत्रालय ने आज अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक के इस बयान का खंडन किया कि ''भारत-अमेरिका व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''2025 में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप ने आठ बार फोन पर बात की और कई मौकों पर दोनों देश समझौते के काफी करीब भी पहुंचे थे। इस बातचीत का जो वर्णन किया जा रहा है, और जो टिप्पणियां बताई जा रही हैं, वे सही नहीं हैं।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देश पिछले साल फरवरी से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और दोनों पक्षों ने ''एक संतुलित और दोनों के लिए लाभकारी व्यापार समझौता'' करने के लिए कई दौर की बातचीत की है। उन्होंने कहा कि भारत अब भी इस तरह के समझौते को अंतिम रूप देने में रुचि रखता है।

इसी बीच, भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस दावे का खंडन किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ''सर'' कहकर संबोधित किया था। अधिकारियों ने कहा कि मोदी वैश्विक नेताओं को संबोधित करते समय एक्सलैंसी, मिस्टर प्राइम मिनिस्टर या मिस्टर प्रेसिडेंट जैसे सम्मानसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन किसी के लिए भी ''सर'' शब्द का इस्तेमाल नहीं करते।

इससे पहले, अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा था कि हालांकि अनुबंधों पर बातचीत हो चुकी थी और समझौते का ढांचा भी तैयार था, लेकिन उन्होंने यह भी कहा, ''साफ- साफ कहें तो यह उनका (ट्रंप का) सौदा है। वही इसे अंतिम रूप देंगे। सब कुछ तैयार था, लेकिन आपको मोदी से राष्ट्रपति को फोन करवाना था। वे (भारत) ऐसा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया था।
- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गत वर्ष फरवरी से ही दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर वार्ता चल रही है और भारत अभी भी ट्रेड डील में रूचि रखता है।
- भारतीय अधिकारियों ने ट्रंप की इस बात का भी खंडन किया कि प्र.मंत्री मोदी उन्हें ''सर'' कहते हैं। अधिकारियों ने कहा कि मोदी विदेशी राष्ट्र प्रमुखों को ''हिज़ एक्सलैंसी, प्राइम मिनिस्टर या मिस्टर प्रेसिडैंट'' कहते हैं, सर नहीं।

संसद का बजट सत्र 28 से, दो चरणों में होगा

नयी दिल्ली, 09 जनवरी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बजट सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक होगा।

रिजिजू ने अपने पोस्ट में लिखा, ''केन्द्र सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बजट सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने की मंजूरी दी है।''

बजट सत्र के दौरान, पहले दिन दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी और दूसरा 9 मार्च से 2 अप्रेल तक।

'जोधपुर सेन्ट्रल जेल में न्यायिक हिरासत के दौरान मारे गये कैदी की जांच रिपोर्ट 15 दिन में पेश करें'

हाईकोर्ट ने यह कड़े आदेश देते हुए टिप्पणी की, कि मामले में जांच बडे ही अनौपचारिक रवैये के साथ की जा रही थी, जबकि, पिछले वर्ष जुलाई में ही जांच शीघ्र करने के आदेश दिये गये थे

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर/जोधपुर, 9 जनवरी (कासं)। जोधपुर की ''सेन्ट्रल जेल'' में न्यायिक हिरासत में एक आरोपी की संदिग्ध हत्या के मामले में सुनवाई हुई। चौंकाने वाली बात यह भी है कि उक्त मामले में जुलाई 2025 से न्यायिक जांच भी लंबित थी, जबकि जोधपुर स्थित हाईकोर्ट ने 15 जुलाई 2025 को मामले में जांच शीघ्र पूरा करने के आदेश दिये थे। शुक्रवार को इस मामले में न्यायाधीश फरजन्द अली की अदालत ने सुनवाई के दौरान इस बात पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा, अदालत के कड़े आदेशों के बावजूद पिछले वर्ष 20 दिसम्बर को एक रिपोर्ट पेश की गई। इससे स्पष्ट है कि मामले की जांच बड़ी ही लापरवाही से और अनौपचारिक तरीके के साथ की गई है। अदालत ने आदेश में कहा है कि इस मामले में जांच प्राथमिकता से की जानी चाहिए और जांच अधिकारी अगले 15 दिन में पूरी न्यायिक रिपोर्ट अदालत में पेश करें। अदालत में इस मामले की अगली तारीख 23 जनवरी तय की है।

दरअसल इस मामले में जोधपुर ''सेन्ट्रल जेल'' में एक छोटे अपराधिक मामले में अपराधी को न्यायिक हिरासत में रखा गया। परंतु शारीरिक उत्पीड़न और मारपीट के कारण कैदी की तबियत बिगड़ गई तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि कैदी के शरीर पर कई तरह की गंभीर चोटें थीं, जिनसे काफी रक्त भी बहा था और सूजन भी थी। डॉक्टर ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि ये चोटें कैदी को पोस्टमार्टम से करीबन 6 घंटे पहले लगी हैं, यानी जब वह कैदी न्यायिक हिरासत में था, तब ही उस पर जानलेवा हमला हुआ था।

इस मामले में कैदी के परिजनों ने ही अदालत का दरवाजा खटखटाया और याचिकाकर्ता लीला की ओर से अधिवक्ता वासुदेव चरण और अधिवक्ता अभिषेक अखावत पैरवी के लिए पेश हुए थे।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस मामले में गंभीरता इससे भी बढ़ जाती है, क्योंकि याचिकाकर्ता के वकीलों ने मोबाइल फोन के 'कई स्क्रीन शॉट' साक्ष्य की तरह पेश किए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जेल के अधिकारी कैदियों से पैसों का लेन-देन कर रहे थे। अदालत ने कहा कि यह लेनदेन किसी कैदी को गैर कानूनी विशेष सुविधा पहुंचाने के लिए या वसूली-हफ्ता लेने के तौर पर किया जा रहा था। अदालत ने अपने आदेश में कहा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- अदालत ने कहा कि इस मामले में मृतक के परिजनों ने मोबाईल फोन के कई स्क्रीन शॉट साक्ष्य की तरह पेश किए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जेल के अधिकारी कैदियों से पैसों का लेन-देन कर रहे थे।
- अदालत ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह लेनदेन किसी कैदी को गैर कानूनी विशेष सुविधा पहुंचाने के लिए या वसूली-हफ्ता लेने के तौर पर किया जा रहा था।
- अदालत ने तथ्यों को देखते हुए कहा कि न्यायिक हिरासत में हुई मृत्यु के इस मामले में यह भी पता लगाना अत्यन्त आवश्यक है कि कैदी उस समय कौनसे सैल में बंद था जब उस पर जानलेवा हमला हुआ, उसके साथ और कौनसे कैदी बंद थे, और उस सैल की निगरानी करना किस जेल अधिकारी की जिम्मेदारी थी।

दिल्ली में सब स्कूल 15 जनवरी तक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, 09 जनवरी। दिल्ली में पड़ रही कड़ाके की ठंड, ठंडी हवाओं और घने कोहरे को देखते हुए, शिक्षा निदेशालय ने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को 15 जनवरी 2026 तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है।

यह विंटर ब्रेक 1 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 जनवरी तक चलेगा, जो 2025-26 शैक्षविक सत्र के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा है। शिक्षा निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि ये छुट्टियां पहले से निर्धारित हैं और राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी की शुरुआत में आमतौर पर पड़ने वाली भीषण ठंड, घने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे में छात्रों की सुरक्षा के लिये यह निर्णय लिया गया।

भरतपुर में 50 हजार की रिश्वत लेते सहायक व कनिष्ठ अभियंता गिरफ्तार

भरतपुर एसीबी टीम की भनक लगते ही सहायक अभियंता फोर व्हीलर और कनिष्ठ अभियंता स्कूटी लेकर मौके से भाग निकले

- एसीबी टीम ने पीछा कर कनिष्ठ अभियंता को घासीराम बिठोड कॉलोनी में नाले में कूदते ही दबोच लिया, जबकि सहायक अभियंता को उत्तर प्रदेश के किरावली से दबोचा
- सौलर प्लांट इंस्टॉलेशन के मीटर जारी करने व सब्सिडी एप्रूव करने की एवज में 90 हजार रूपये की रिश्वत मांगी थी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुये सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को परिवादी से 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत राशि लेते समय दोनों आरोपियों को एसीबी टीम की भनक लगते ही सहायक अभियंता फोर व्हीलर और कनिष्ठ अभियंता स्कूटी लेकर मौके से भाग निकले। एसीबी टीम ने पीछा कर कनिष्ठ अभियंता को घासीराम बिठोड कॉलोनी में नाले में कूदते ही दबोच लिया, जबकि सहायक अभियंता को उत्तर प्रदेश के किरावली से दबोचा। दोनों आरोपियों से एसीबी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है।

एसीबी एडिशनल एसपी अमित कुमार ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत परिवादी द्वारा दी गई। उसमें बताया कि पीएम सूर्यधर योजना में रूफटॉप सौलर योजना में परिवादी की फर्म द्वारा किये गये सौलर प्लांट इंस्टॉलेशन के मीटर जारी करने व सब्सिडी एप्रूव करने की एवज में अभिषेक कनिष्ठ अभियंता व मोहित कटियार सहायक अभियंता कार्यालय अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल उच्चैन जिला भरतपुर द्वारा मिलकर परिवादी से 90 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। मामले का सत्यापन किया गया और एसीबी एडिशनल एसपी अमित सिंह भरतपुर द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी कनिष्ठ अभियंता व मोहित कटियार सहायक अभियंता कार्यालय अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल उच्चौन जिला भरतपुर को आरोपी अभिषेक कनिष्ठ अभियंता के घर के बाहर रोड पर परिवादी से प्रथम किश्त के रूप में 50 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया। एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को टीम की भनक लग गई और दोनों अपने-अपने वाहनों से भागने लगे कनिष्ठ अभियंता को नाले में कूदते समय दबोच लिया, जबकि सहायक अभियंता उत्तर प्रदेश के किरावली से पकड़ा है। कनिष्ठ अभियंता को नाले में कूदते समय चोट आई है।

श्रीगंगानगर में ठंड का कहर जारी, पारा 5.8 डिग्री दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में इन दिनों तेज ठंड का कहर जारी है। हल्की धूप निकलने के बावजूद ठंड से राहत नहीं मिली। लोग धूप में बैठकर भी कंपकपाते नजर आए। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री व अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री रिकार्ड किया गया।

गुरुवार को न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री और अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री रिकार्ड किया गया, जबकि बुधवार को यहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री में अधिकतम तापमान 10.4 डिग्री रिकार्ड किया गया था। गुरुवार को श्रीगंगानगर जिला करौली के बाद प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के करीब है। दिन में मौसम ड्राई रहने और रात में तापमान गिरने से पाला पड़ने का खतरा है। अगले 2 सप्ताह तक कड़ाके की ठंड बनी रहेगी। रात के तापमान में 1-2 डिग्री की और गिरावट संभव है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में अगले दो-तीन दिनों में अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाने की आशंका है।

बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना पुलिस ने छाजा कस्बे में मोटरसाइकिल चोरी के मामले का 24 घंटे में खुलासा कर आरोपी गेबीलाल खांट को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल जब्त की।

थानाधिकारी कपिल पाटीदार ने बताया कि 7 जनवरी को प्रार्थी ने थाने में मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्रित किये गये वहीं आस-पास मकानों पर सीसीटीवी फुटेज चैक कर संदिग्ध से पूछताछ की गयी।

थानाधिकारी कपिल पाटीदार के नेतृत्व में मुखबीर की सूचना व तकनीकी साक्ष्य के आधार पर एक व्यक्ति की पहचान कर डिटेन कर उससे पूछताछ की गयी। जिस पर अभियुक्त गेबीलाल पुत्र सबुड़ा खांट निवासी कथरिया छाजा थाना आनंदपुरी ने मोटर साईकिल चोरी करना स्वीकार किया। जिस पर अभियुक्त गेबीलाल को गिरफ्तार कर उसकी निशादेही से मोटरसाइकिल बरामद की गयी।

पाली जेल में कैदी ने आत्महत्या की

- पॉस्को एक्ट के तहत 2025 से पाली जिला जेल में बंद था 20 वर्षीय कैदी

पाली, (नि.सं.)। पाली जिला जेल में शुक्रवार को एक 20 वर्षीय कैदी ने सुसाइड कर लिया। घटना की सूचना मिलने पर न्यायिक अधिकारी व पुलिस जेल में पहुंची और बॉडी को मोर्चरी में पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार राजू उर्फ राजेंद्र पुत्र भंवरलाल पाली जेल में पॉस्को एक्ट के तहत 2025 से बंद था। शुक्रवार दोपहर करीब चार बजे की घटना है। सुसाइड का कोई कारण मालूम नहीं चला है। एसपी जय सिंह तंवर ने बताया कि युवक ने जेल के बाथरूम में तौलिया गले में लपेट सुसाइड कर लिया था। इस तरह की घटना से जेल में सुरक्षा की सवालिया निशान है। मृतक जोधपुर जिले का निवासी है।

रेल लाइन पार करते युवक के दोनों पैर कटे

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को रेल लाइन पार कर रहे एक युवक के दोनों पैरों के पंजे कट जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया। घायल युवक की पहचान चिरंजीत सिंह (36) पुत्र राम सिंह राजपूत, निवासी रोहिणा, तहसील जायल के रूप में हुई है। युवक ट्रेन में सवार होने के लिए प्लेटफार्म बदलने के दौरान स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के नीचे से निकलकर रेल लाइन पार कर रहा था। इसी बीच अचानक मालगाड़ी चल पड़ी, जिससे उसके दोनों पैरों के पंजे कट गए।

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर नई योजना तैयार

- इस बार परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाकर नकल और अव्यवस्थाओं पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा
- बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने माशिबो की वर्ष 2026 की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं को लेकर परीक्षा तैयारी समीक्षा बैठक ली

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। परीक्षा तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बोर्ड परिसर के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को समयबद्ध व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षा को लेकर नई योजना तैयार की गई है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाकर नकल और अव्यवस्थाओं पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा। उन्होंने बताया इसके लिए राज्य स्तर पर गठित हाई पावर कमेटी के निर्णयों के अनुरूप तैयारी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि माशिबो की वर्ष 2026 की 10वीं और 12वीं की परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 6,195 परीक्षा केंद्र निधारित किए गए हैं, जहां लगभग 20 लाख परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। बैठक में परीक्षा केंद्रों की स्थापना, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, सुरक्षा प्रबंध, नकल निरोधक व्यवस्था, उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन, समय सारणी और आईटी आधारित निगरानी सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। बैठक में संयुक्त निदेशक, समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और संदर्भ व्यक्तियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए बोर्ड स्तर पर सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और बोर्ड कार्यालय में एक केंद्रीय कंट्रोल रूम स्थापित करने की योजना तैयार की गई है। इसी कंट्रोल रूम से रियल टाइम मॉनिटरिंग कर संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही जिला परीक्षा संचालन समिति संवेदनशील और अति संवेदनशील केंद्रों की वीडियोग्राफी कराने की व्यवस्था करेगी, ताकि शिकायतों की स्थिति में तथ्यात्मक जांच और जवाबदेही तय की जा सके।

प्रवेश पत्र अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयुष विभाग में लेक्चरर परीक्षा 2025 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। कंप्यूटर बेस्ड रिक्रूटमेंट टेस्ट (सीबीआरटी) के माध्यम से परीक्षा अजमेर जिला मुख्यालय पर 12 जनवरी को आयोजित होगी। ऑनलाइन परीक्षा के पूर्वाभ्यास के लिए मॉक टेस्ट आयोग की वेबसाइट के कैंडिडेट इनफॉर्मेशन, सीबीआरटी पर उपलब्ध है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा जिला मुख्यालय पर 12 जनवरी को आयोजित की जाएगी।

CHIEF BLOCK EDUCATION OFFICE SAMAGRA SHIKSHA CHHABRA
Sr. No. :- 1649 Date : 08/01/2026
NOTICE INVITING BID
NIT No.- 02/2025-26
Bids for AAWAS, BHOJAN, CHAI- NASTA ,WITH TRAINING PLACE AND TENT FACILITY are invited from interested bidders up to 12 PM,Dated 12/01/2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.rajasthan.gov.in)** of the state. The approximate value of procurement is Rs 6.00 Lacs. **UBN No.- EED2526SSRC01325**
Raj.Samwad/C/25/17406 **Chief Block Education Officer, Baran**

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी करौली
क्रमांकः-लेखा / 2026/1928 दिनांकः- 06/01/2026
नीलामी आमंत्रण सूचना 02/2025-26
सर्व साधारण एवं रद्दी कागज के इच्छुक केताओं / कवाडियों से कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (स्टोर) करौली में स्टोर के रद्दी कागज व अन्य नाकारा सामग्री अनुमानित राशि 558520/- की नीलामी दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 01.00 बजे की जावेगी। इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत केता/कवाड/ निर्धारित धरोहर राशि जमा कराकर खुली नीलामी में भाग ले सकेगें।
NIB NO:- CKL2526A0018
UBN NO:- CKL2526GSOB00016
(हेमराज परिडवाल)
उपजिला निर्वाचन अधिकारी
करौली
DIPR/C/384/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला रसद अधिकारी, जालोर
(जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी)
क्रमांक-रसद/लेखा/निविदा/2025/ दिनांकः-
NOTICE INVITING BID
e-Bids for Selection of Transporter for the Transportation of Food grains Under MDM from FCI Depots in District JALORE are invited from interested bidders up to 12-01-2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.rajasthan.gov.in/ www.food.rajasthan.gov.in) of the state, The approximate value of the procurement is 20 Lakhs for One year.
UBN FCC2526SLOB00185
NIB Code FCC2526A0149
(आलोक झरवाल)
जिला रसद अधिकारी
(उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी) जालोर
DIPR/C/210/2026

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org
No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/12708 Date :- 08/01/2026
Short Term Notice Inviting e-Bids
Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 11/02/2026 for Establishment and Development of State of Art Trauma Center (Level-1) on Turn Key Basis along with Medical Equipment at RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. (Total Approx. Cost Rs. 15,83,70,000.00). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website **sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in.**
UBN : CMS2526GLOB00108
Raj.Samwad/C/25/17396 Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

कार्यालय नगर पालिका, खेजरोली-जयपुर (राज.)
क्रमांक / नपाखेज. / 2025-26 / 24 दिनांक : 06.01.2026
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
इच्छुक संवेदक / फर्म एवं निविदादाओं को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका खेजरोली द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। इस निविदा हेतु कार्यालय में दिनांक 12.01.2026 को प्रातः 10.00 बजे 11.00 बजे तक निविदा शुल्क व अमानता राशि पालिका कार्यालय में नगद जमा करवाकर निविदा में भाग ले सकेंगें। उक्त निविदा सूचना **http://sppp.raj.nic.in** पोर्टल पर दिनांक 06.01.2026 से देखी जा सकती है। उक्त कार्य की एनआईबीकोड निम्नानुसार हैं :-
NIB code :- DLB2526A9939
UBN Code:- DLB2526WSRC29522
DLB2526WSRC29523
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका खेजरोली
राज.संवाद / सी / 25 / 17348

कार्यालय नगर विकास न्यास, अलवर (राज.)
क्रमांक :- लेखा/2025/1763 - 66 दिनांक :- 07/01/2026
NOTICE INVITING NIT – 37/2025-26
Construction of nallah, park development, paver work and other development work, Alwar. 03-01-26 to 02-02-26 3.00 PM. Technical bid open 03-02-26 4.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the state and **www.uitalwar.in.** The approximate Value of the procurement is Rs. 1981.10 lakhs.
UBN No. : UAL2526WSOB00374, 00367, 00369, 00371, 00373, 00366, 00368, 00370, 00372
Raj.Samwad/C/25/17408 Executive Engineer
UIT Alwar

Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Bikaner
S.N. :633 **NOTICE INVITING BID** Date: 05-01-2026
NIB No WSC2526A1261
On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM, Production, EPA & IEC Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 193.55 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 12-01-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost, (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Bikaner	51.50	WSC2526WSOB02206
2	Bikaner	41.58	WSC2526WSOB02207
3	Bikaner	49.83	WSC2526WSOB02208
4	Bikaner	38.50	WSC2526WSOB02209
5	Bikaner	2.55	WSC2526WSOB02210
6	Bikaner	9.59	WSC2526WSOB02212

[Mahesh Kumar Ajariwal]
Executive Engnieer
WDSC, Bikaner
DIPR/C/356/2026

Urban Improvement Trust Dausa-Bandikui
Pool Building Collectorate Campus, Dausa 303303 Telephone: 01427294292
e.mail: uitdausabandikui@rajasthan.gov.in
No. :- UIT/D&B/ENGG/T.S./DDU/2025-26/DEC/04-00033-8753272 Dated :- 07/01/2026
NOTICE INVITING BID
NIB No. : EE/06/2025-26
Online Bids are invited up-to 6:00 PM of 27-01-2026 for Development works at Deen Dayal Upadhyay Urban Residential Scheme (Phase-I), Dausa. The last date for Applying Bid and making online payment NEFT/RTGS or through SSO POPRTAL (Urban Services) is up-to 6:00 PM of 27-01-2026. The estimated cost of NIB is Rs. 376.00 Lacs. Details may be seen in the Bidding Document at our office or the State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in,** Urban Servies Portal.
(UBN No. TDU2526WSOB00008)
(NIB CODE. TDU2526A0009)
Raj.Samwad/C/25/17409 Executive Engineer
UIT Dausa - Bandikui

प्रदेश में वाइस प्रिंसिपल और अन्य अधिकारियों के तबादले

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं नजदीक हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग की ओर से महज एक महीने पहले किए जा रहे तबादलों ने स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग ने छह जनवरी को जहां 412 प्रिंसिपल के तबादले किए थे, वहीं अब 167 वाइस प्रिंसिपल और अन्य पदों पर कार्यरत अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। लगातार हो रहे प्रशासनिक फेरबदल से कई स्कूलों में नियमित पढ़ाई प्रभावित होने लगी है।

जारी आदेश के अनुसार सबसे अधिक तबादले जयपुर जिले में किए गए हैं, जहां 25 से अधिक वाइस प्रिंसिपल और समकक्ष अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। बीकानेर जिले से 10 से ज्यादा, चूरू से 8 से अधिक और नागौर से करीब 12 तबादले हुए हैं। इसी तरह अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा, उदयपुर, टोंक, सीकर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, बूंदी और भरतपुर जैसे जिलों में भी 4 से 8 के बीच तबादले किए गए हैं। कई जिलों में यह तबादले एक ही जिले के भीतर तो कई में एक जिले से दूसरे जिले में किए गए हैं।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के अंतिम चरण में स्कूलों के प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य का तबादला होने से टाइम टेबल, सिलेबस की रिवीजन योजना और कमजोर विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षाओं पर असर पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि नए अधिकारी के आने तक व्यवस्थाएं फिर से संभलने में समय लगता है, जिसका सीधा नुकसान छात्रों को उठाना पड़ता है। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर जैसे जिलों में वाइस प्रिंसिपलों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा बदली गई है। वहीं सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में भी वाइस प्रिंसिपल की अदला-बदली हुई है, जिससे कई स्कूलों में परीक्षा से ठीक पहले प्रशासनिक बदलाव की स्थिति बनी है।

उदयपुर कोर्ट परिसर में बंदर ने वकीलों व कांस्टेबल पर हमला किया

- करीब एक से डेढ़ घंटे तक कोर्ट का कामकाज भी प्रभावित रहा
- वाइल्ड लाइफ टीम ने मौके से बंदर को रैस्क्यू किया

उदयपुर, (कासं)। कोर्ट परिसर में शुक्रवार को उस वक्त दहशत का माहौल हो गया, जब एक उत्पाती बंदर अचानक कोर्ट में घुस आया और उत्पात मचाने लगा। इस दौरान कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। बंदर ने कोर्ट में मौजूद 4-5 वकीलों और एक कांस्टेबल पर अचानक हमला कर दिया। इस दौरान टेबलों पर रखे जरूरी दस्तावेज बिखर गए और पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। करीब एक से डेढ़ घंटे तक कोर्ट का कामकाज भी प्रभावित रहा और वकील डर के साये में बाहर निकलने को मजबूर हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बंदर को सुरक्षित पकड़कर बाहर निकाला। इसके बाद कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

वाइल्ड लाइफ रेस्क्यूअर धर्मेंद्र पाणिगर ने बताया कि यह लाल मुंह का बंदर पिछले डेढ़ महीने से शहर में लोगों के लिए खतरा बना हुआ था। प्रतापनगर और नाकोडा नगर इलाके में इसने करीब 20 से 25 लोगों पर हमला किया था। इसके बाद आरसीए कॉलेज में भी इसने 4 से 5 छात्रों को काट लिया था। कुम्हारों का भट्टा और शोभागपुरा सौ फीट रोड क्षेत्र में भी इसके काटने की शिकायतें मिल चुकी थी। उन्होंने बताया कि कलैक्टर और नगर निगम के निर्देश पर इस बंदर को आज रैस्क्यू किया गया है और फिलहाल उसे बायोलॉजिकल पार्क में सुरक्षित छोड़ दिया गया है, ताकि आमजन को इससे राहत मिल सके।

हत्या के आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल द्वारा गठित पुलिस टीम व डीएसटी ने कालीपलटन क्षेत्र में हुई युवक की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि गत 6 जनवरी को बछेरों का घेर कालीपलटन में सोहेल उर्फ सोनू घर पर खाना खा रहा था, उसी समय दिलशाद ऊर्फ शाबू ने सोहेल को आवाज लगाई, जिसके बाद सोहेल बाहर आया तो दिलशाद के साथ आये फईम ने सोहेल पर चाकू से वार कर दिया, जिसके बाद दोनों आरोपी भाग गये तथा घायल सोहेल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गम्भीर हालात होने से उसे जयपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों द्वारा प्रकरण दर्ज कराया गया, जिसमें टीम ने सीसीटीवी फुटेज लेकर आरोपियों की तलाश कर आरोपियों को हनुमान नगर (जहाजपुर) से दस्तयाब किया गया।

बीस लाख का डोडा-चूरा सहित तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण के मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से करीब बीस लाख कीमत का 104 किलो 740 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया एवं घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थाने के थानाधिकारी वासुदेव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कार्य योजना बनाकर कोटा-झालावाड़ एनएच-52 पर टोल प्लाजा मंडाना के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि वाहनों की चैकिंग के दौरान झालावाड़ की ओर से एक कार आती हुई दिखाई दी, पुलिस नाकाबंदी को देखकर कार चालक ने यूटर्न कर एनएच-52 पर रॉंग साईड लेकर भगाने लगा। पुलिस टीम ने संदेह होने पर कार का पीछा किया तो फाटाखेड़ा के समीप सर्विस रोड पर कार चालक व अन्य कार को छोड़कर खेतों की तरफ भागे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पीछा कर रही पुलिस टीम ने खेतों में भाग रहे एक तस्कर भगवान सिंह (23) का पीछा कर उसको डिटेन किया एवं एक अन्य तस्कर चालक राकेश जोशी खेतों में खड़ी फसल में छिपकर फरार हो गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो कार से 104 किलो 740 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया, पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 20 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मादक पदार्थ बरामद होने पर मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए जिला नागौर के चांदनीसेरा निवासी भगवान सिंह को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

बीकानेर में हेरिटेज वॉक के साथ ''अंतर्राष्ट्रीय ऊँट उत्सव'' शुरू

बीकानेर, (निसं)। ''अंतर्राष्ट्रीय ऊँट उत्सव'' का आगाज शुक्रवार को हेरिटेज वॉक के साथ हुआ। हेरिटेज वॉक का आयोजन नगर सेठ श्री लक्ष्मीनाथ जी मंदिर से रामपुरिया हवेली तक किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास और जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि ने फीता काटकर हेरिटेज वॉक का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ ने की। इससे पूर्व केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव के आगाज की घोषणा की।

''अंतर्राष्ट्रीय ऊँट उत्सव'' के तहत निकाली गई हैरीटेज वाक का पर्यटकों ने लुत्फ उठाया।

- केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, विधायक जेठानंद व्यास और जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि ने फीता काट हेरिटेज वॉक का शुभारंभ किया

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि तीन दिवसीय ऊँट उत्सव से बीकानेर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में हम बजट में भी कुछ ज्यादा प्रयास कर सकते हैं। साथ ही भारत सरकार के कुछ संस्थानों से कलाकारों को जोड़ सकते हैं। हवेली बचाओ अभियान को लेकर मेघवाल ने कहा कि एक हजार हवेलियों वाले बीकानेर शहर में हवेलियों को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि हेरिटेज वॉक से बीकानेर की संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिलेगी। लोग हवेलियों को देखने को लेकर लोग लालायित रहते हैं। पाटा संस्कृति और स्थानीय व्यंजन घेवर, भुजिया, रसगुल्ले, रबड़ी इत्यादि को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। व्यापार भी बढ़ेगा। लिहाजा बीकानेर को इसका बहुत लाभ होने वाला है।

हेरिटेज वॉक में बीकानेर की स्थापत्य कला, व्यंजन और लोक कलाओं के विविध आकर्षक रंग देखने को मिले। हैरिटेज वॉक में देशी-विदेशी सैलानी, स्थानीय निवासियों सहित जनप्रतिनिधि व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बीकानेरी रंगों में सराबोर नजर आए। जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि, एसडीएम बीकानेर आईएएस महिमा कसाना और आईएएस स्वाति शर्मा ने तांगे की सवारी की।

वॉक के दौरान लोक कलाकार रमेश व्यास द्वारा पहनी हुई 25 से 30 किलो भार वाली और 2 हजार 25 फीट लंबी पगड़ी, लोक कलाकार श्याम सुंदर व्यास द्वारा करीब 20 किलो भार वाली और 380 मीटर लंबी पगड़ी व मूंछ किंग गिरधर व्यास की दोनों तरफ 20-20 फीट यानी कुल 40 फीट लंबी मूंछें आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। हेरिटेज के रंगों को करीब से देख कर देशी विदेशी पर्यटक रोमांचित नजर आए। ऐतिहासिक रामपुरिया हवेलियों के पास वॉक का समापन हुआ। रामपुरिया हवेली के अंदर पंडित नारायण दास रंगा और उनकी टीम ने हवेली संगीत की बेहतरीन प्रस्तुति देकर सभी को अभिभूत कर दिया। हेरिटेज वॉक में सजे धजे रास्ते और सांस्कृतिक व स्थापत्य विरासत के रंगों के बीच देशी विदेशी सैलानी सेल्फी लेते नजर आए।

अलवर रेलवे स्टेशन पर शराब तस्कर को पकड़ा

अलवर, (निसं)। अलवर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के जरिए शराब तस्करी का मामला सामने आया है। शराब हरियाणा से गुजरात ले जाई जा रही थी। सूचना के आधार पर अलवर रेलवे जंक्शन पर रेलवे पुलिस की सहायता से आबकारी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को सूटकेस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी सूटकेस में शराब की महंगी बोतलें तस्करी कर ले जा रहा था। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर आबकारी थाना पुलिस ने रेलवे पुलिस की मदद से आरोपी को अरेस्ट किया है। आरोपी के कब्जे से 64 महंगी अंग्रेजी शराब की बोतलें और 144 पव्वे बरामद किए हैं।

आबकारी थाना पुलिस के अनुसार आरोपी हरियाणा से शराब लेकर गुजरात जा रहा था। ड्राई स्टेट होने के कारण शराब की बिक्री प्रतिबंधित है। आरोपी इन शराब की बोतलों को वहां अवैध रूप से बेचने की फिराक में था। आबकारी थाना अलवर के पीओ सतीश कुमार ने बताया कि आबकारी अधिकारी निरोधक दल दिगम्बर सिंह डागुर के नेतृत्व में आबकारी निरोधक दल ने यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान पार्थ निवासी अहमदाबाद (गुजरात) के रूप में हुई है।

जय शाह ने मंच से कहा, हमारे कप्तान यहां बैठे हैं। मैं उन्हें कप्तान ही कहूंगा, क्योंकि उन्होंने टीम को दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जिताई हैं। साल 2023 वर्ल्ड कप में हमने लगातार 10 मैच जीते, लेकिन ट्रॉफी नहीं उठा पाए। - **जय शाह**

बीबीसीआई सचिव, रोहित शर्मा को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

भारतीय टीम के होनहार क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने बेहद ही कम समय में अपने बेहतरीन खेल से हर किसी का ध्यान खींचा है दरअसल, पूर्व पाकिस्तानी कप्तान एवं मौजूदा समय में ग्रीन टीम के बल्लेबाजी के रीढ़ बाबर आजम ने अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में 15 वर्ष की आयु से पहले दो शतक लगाए थे, जबकि वैभव सूर्यवंशी 15 वर्ष की आयु से पहले अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में तीन शतक जड़ चुके हैं। अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में खबर लिखे जाने तक एक से अधिक शतक लगाने का विशेष रिकॉर्ड केवल वैभव सूर्यवंशी और बाबर आजम के नाम दर्ज है।

क्या आप जानते हैं ?... एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड इयोन मोर्गन के नाम है, उन्होंने 18 जून 2019 को मैनचेस्टर में अफगानिस्तान के खिलाफ एक पारी में सर्वाधिक छक्के (17) लगाये थे।

पी.वी. सिंधु 13 महीनों में अपने पहले सेमीफाइनल में, अब खिताब पर नजर

कुआलालम्पुर, 9 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को हराकर सुपर 1000 इवेंट मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जबकि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु को तीसरी सीड जापान की अकाने यामागुची के रिटायर होने से सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। यामागुची पहला गेम 21-11 से हारने के बाद मैच से रिटायर हो गईं।

सिंधु एक साल से ज़्यादा समय बाद अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जब सीज़न के पहले मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची पहले गेम के बाद चोट के कारण रिटायर हो गईं। सिंधु गुरुवार को यामागुची की हमवतन टोमोका मियाज़ाकी पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर में पहुंची थीं, लेकिन यामागुची के खिलाफ मुकाबला इतना आसान होने की उम्मीद नहीं थी।

लेकिन यामागुची अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिख रही थीं, क्योंकि सिंधु ने पहले गेम के इंटरवल में 11-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बीच में, पूर्व खिलाड़ी शॉट लगाने की कोशिश में चोटिल हो गईं, और उनके टखने में मोच आ गई।

पहला गेम खत्म होने में थोड़ा समय लगा, सिंधु ने इसे सिर्फ 12 मिनट में 21-11 से जीत लिया। इसके खत्म होने के तुरंत बाद, यामागुची अंपायर के पास गईं और उन्हें मैच से रिटायर होने के अपने फैसले के बारे में बताया और सिंधु से हाथ मिलाया।

सिंधु आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सेमीफाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्होंने हमवतन उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में हराया था और फिर फाइनल में चीन की वूओ लुओ यू को आसानी से हराकर खिताब जीता था। वह सिंधु की आखिरी जीत थी और वह मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी में से किसी एक का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सिंधु, जो पैर की चोट के कारण बाहर थीं और अक्टूबर के बाद किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था, ने मियाज़ाकी पर अपनी जीत के बाद टॉप-लेवल प्रदर्शन बनाए रखने में फिटनेस के महत्व पर ज़ोर दिया।

इस बीच सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद शोहिबुल फिकरी से 47 मिनट तक चले मुकाबले में 10-21, 21-23 से हारकर बाहर हो गये। सात्विक-चिराग की हार के बाद अब टूर्नामेंट में सिंधु ही एकमात्र भारतीय चुनौती रह गई है। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी पहले ही हार गए थे।

जादुमणि सिंह, पवन बर्तवाल आसान जीत के साथ फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, 9 जनवरी। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमणि सिंह ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 50-55किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अमित पंघाल को हराकर पवन बर्तवाल के साथ एक रोमांचक फाइनल मुकाबले के लिए जगह बनाई। यह पहली बार है जब पुरुष और महिला नेशनल चैंपियनशिप एक ही जगह पर एक साथ हो रही हैं और देश भर से 600 बॉक्सर पुरुष और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं। सेमीफाइनल में, जादुमणि ने अमित पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि पवन ने मणिपुर के विक्टर सिंह पर भी इसी तरह की जीत हासिल की। इस बीच, ऑल इंडिया पुलिस की विश्व चैंपियन मीनाक्षी (महिलाओं की 45-48 किग्रा) ने मध्य प्रदेश की मलिका मोर को 5:0 से हराया, जबकि निकहत (48-51किग्रा) ने यूपी की कुसुम बघेल के खिलाफ 4:1 के स्प्लिट फैसले से अपना सेमीफाइनल जीता। टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन भी महिलाओं की 70-75किग्रा कैटेगरी के फाइनल में पहुंच गईं, उन्होंने उत्तर प्रदेश की इमरोज खान को 5:0 से हराया, जबकि प्रीति (51-54 किग्रा) ने उत्तराखंड की आरती धरियाल को 5:0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों के सेक्शन में, सचिन (55-60 किग्रा) ने पंजाब के भूपिंदर सिंह को हराया, जबकि राजस्थान के विवेक, हितेश गुलिया (65-70 किग्रा) के सामने टिक नहीं पाए। इसके अलावा, अपनी-अपनी कैटेगरी के फाइनल में पहुंचने वालों में अविनाश जमवाल (60-65 किग्रा), सुमित (70-75 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) शामिल हैं।

खेल संघों से जुड़े विवादों का अब समाधान होना चाहिए : मांडविया

अहमदाबाद (गुजरात), 9 जनवरी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि खेल संघों से जुड़े विवादों का अब समाधान होना चाहिऐ।

स्टर्लिंग टी-20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड की कप्तानी करेंगे

डबलिन, 9 जनवरी। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में, अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग आयरलैंड की कप्तानी करेंगे। इस बड़े इवेंट के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों में से 12 खिलाड़ी दो साल पहले यूएसए और वेस्टइंडीज में खेले गए टूर्नामेंट का हिस्सा थे। टीम: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, बेन कैलिट्ज, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लॉर्कन टकर (उप-कप्तान), बेन व्हाइट, क्रेग यंग आयरलैंड की राष्ट्रीय पुरुष टीम के चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, "यह कहना कि हम इस टी20 वर्ल्ड कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह कम होगा। 2022 के यादगार टूर्नामेंट के बाद, हम शायद 2024 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे - और तब से इसे सुधारने का इंतजार कर रहे हैं।"

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे के लिए श्रेयस अय्यर को मिली हरी झंडी

मुम्बई, 9 जनवरी। श्रेयस अय्यर को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम टीम का हिस्सा बनने की मंजूरी मिल गई है। वहीं सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं। श्रेयस को 15 सदस्यीय दल में शामिल तो किया गया था लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर तय था। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित करने के बाद शुक्रवार को वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वड़ोदरा में में होने वाले पहले एकदिवसीय से केवल दो दिन पहले वह टीम के साथ जुड़ेंगे।

भारत के उपकप्तान श्रेयस को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में पसली में चोट लगी थी और इसके बाद वह पहली बार भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। इस चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज नहीं खेल पाए हैं।

सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले तीन अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया, गुरुवार की सुबह तिलक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और शुक्रवार को वह हैदराबाद वापस जाएंगे। उनकी हालत स्थिर है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद वह फिजिकल और स्किल ट्रेनिंग वापस शुरू करेंगे। ट्रेनिंग पर वापस आने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए आखिरी दो टी-20 में उनके खेलने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

मुंबई के लिए 82 और 45 रनों की पारियां खेलकर अय्यर ने वापसी के लिए मजबूत इरादे दिखाए हैं। चोट के कारण शार्दुल की अनुपस्थिति में उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी की है। भारत की एकदिवसीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी सात जनवरी को वड़ोदरा पहुंच चुके है हैं। 15 सालों से अधिक के समय के बाद वड़ोदरा में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। नए बने कोटांबी स्टेडियम ने महिला वनडे और डब्ल्यूपीएल मैचों की मेजबानी की हैं।

भारत की एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार्स बीबीएल में वापस लौटे

सिडनी, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया की एशेज जीतने वाली टेस्ट टीम के कई खिलाड़ी शनिवार से बिग बैश लीग (बीबीएल) में वापसी करेंगे। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार एलेक्स कैरी (एडिलेड स्ट्राइकर्स), ब्रेंडन डॉगेट (मेलबर्न रेनेगेड्स), जोश इंगलिस (पर्थ स्कॉर्चर्स), उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन (ब्रिस्बेन हीट), टॉड मर्फ़ी और स्टीव स्मिथ (सिडनी सिक्सर्स), साथ ही जेक वेदरल्ड और ब्यू वेबस्टर (होबार्ट हरिकेंस) शनिवार से अपनी-अपनी टीमों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

माइकल नेसर (ब्रिस्बेन हीट) और मिशेल स्टार्क (सिडनी सिक्सर्स) भी बाद में लीग में शामिल होंगे। नेसर के 14 जनवरी से और स्टार्क के 16 जनवरी से उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस बीच, स्कॉट बोलैंड, ट्रैविस हेड और कैमरन ग्रीन बीबीएल-15 में हिस्सा नहीं लेंगे। बोलैंड (मेलबर्न स्टार्स) और हेड (एडिलेड स्ट्राइकर्स) सभी पांच एशेज टेस्ट खेलने के बाद छोटे रिकवरी ब्लॉक से गुजरेंगे, जबकि ग्रीन अभी भी बिना अनुबंध के हैं क्योंकि वह बड़ी पीठ की सर्जरी से रिकवर हो रहे हैं।

एशेज सीरीज में मिचेल स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नावाज गया

सिडनी, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज में का दबदबा रहा। उन्होंने इस सीरीज में धुआंधार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए। एशेज सीरीज में शानदार परफॉर्मेंस करने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज 2025-2026 संपन्न हो गई। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स और बॉलर्स का दबदबा देखने को मिला। कंगारू टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति और दमदार खेल के चलते इंग्लैंड को ज्यादातर बैकफुट पर रखा। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत के 3 टेस्ट जीतकर एशेज पर कब्जा कर लिया था। इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट में जीत दर्ज की, लेकिन पांचवें और आखिरी टेस्ट में उसे 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2025-2026 एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जिताने में मिचेल स्टार्क का अहम योगदान रहा। पूरी सीरीज में इंग्लैंड के बल्लेबाज स्टार्क की काट नहीं ढूढ़ पाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने मैच के दौरान जब कभी स्टार्क को गेंद थमाई तो उन्होंने निराश नहीं किया। वह एशेज सीरीज 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने में सफल रहे। यही वजह रही स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नवाजा गया।

इसी महीने 36 साल के होने जा रहे मिचेल स्टार्क ने अपनी बॉलिंग से इंग्लैंड के बल्लेबाजों के घुटने पर ला दिया। पूरी सीरीज में उन्होंने एक युवा गेंदबाज की तरह गेंदबाजी की। उन्होंने लंबे-लंबे स्पेल में बॉलिंग करके दिखाया कि अभी उनकी बाजुओं में बहुत दम है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में उनकी शानदार गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड के बैटर्स ने सेरेंडर कर दिया। इस मुकाबले में स्टार्क ने 10 विकेट लिए। ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी उनकी कातिलाना गेंदबाजी देखने को मिली।

राजधानी

गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज : सी.एम. भजनलाल शर्मा

चिकित्सा और स्वास्थ्य पर बजट पूर्व चर्चा हुई

- **मुख्यमंत्री ने कहा बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें**
- **अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण नि:शुल्क उपचार मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले स्तर तक चिकित्सा सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। विगत दो वर्षों में 7 उप जिला अस्पताल, 2 सैटेलाइट अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 14 संस्थानों का जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा 7 नवीन सैटेलाइट अस्पतालों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि 129 उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रमोन्नयन किया है। करीब 8 हजार 700 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित किया गया एवं 412 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किए गए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी एवं आईएलबीएस हॉस्पिटल, नारायणा हरदयाल ग्रुप, महावीर विकलांग सेवा समिति, इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन, यूनीसेफ, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, आईएमए राजस्थान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं आरयूएचएस के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने किया रोजगार एवं उद्यिमता विभाग के हितधारकों से संवाद

जयपुर। राजस्थान में प्रधानमंत्री स्किलिंग और रोज़गार ट्रांसफॉर्मेशन (पीएम सेतु) के पायलट प्रोजेक्ट का इम्प्लीमेंटेशन किया जाएगा इसके पहले चरण में प्रोजेक्ट को भिवाड़ी, बालोतरा, भरतपुर, कोटा, बीकानेर, जोधपुर, बांसवाड़ा जिले को लेने की मंज़ूरी दी हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

इसी दिशा में सरकार द्वारा समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार सृजित करने के संकल्प पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में उद्योग-आईटीआई के बेहतर समन्वय, संस्थान प्रबंधन समितियों एवं आईटीआई के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम सेतु हेतू पायलट

- **मुख्य सचिव ने आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए**

प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के अधिक से अधिक आईटीआई को उद्योगों से जोड़ा जाए, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की व्यावहारिक समझ भी प्राप्त हो सकें।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के नवाचारों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाया जाए तथा प्रदेश के आईटीआई को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने झालावाड आईटीआई को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए अन्य आईटीआई को भी इसी प्रकार कार्य कर शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव ने संस्थान प्रबंधन समितियों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी आईटीआई के दीक्षांत समारोह की जानकारी साझा कर उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग , पी. रमेश शासन सचिव श्रम विभाग,टीना सोनी शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, ऋषभ मंडल, आयुक्त कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों के आईटीआई प्राचार्य एवं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा एफएचटीआर के अध्यक्ष बने

जयपुर। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज़्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) की वार्षिक आम सभा का 8 जनवरी को जयपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सर्वसम्मति से नई प्रबंधन समिति का निर्वाचन किया गया, जिससे संगठन में एक नए नेतृत्व काल का शुभारंभ हुआ। एफएचटीआर के अध्यक्ष पद हेतु सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा का निर्वाचन किया गया, जबकि तरुण कुमार बंसल को महासचिव चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तथा संयुक्त सचिव हेमन्त मित्तल को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई समिति राजस्थान के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को नवाचार, समन्वय तथा प्रभावी प्रतिनिधित्व के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जन स्वास्थ्य विभाग का अधीक्षण अभियंता आईफोन की रिश्वत लेते पकड़ा गया

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) में रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए झालावाड़ के अधीक्षण अभियंता (एसई) विष्णु चंद गोयल को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी ने परिवादी से बकाया बिल पास करने और परेशान न करने की एवज में 84 हजार रुपए कीमत का आईफोन एक्सआर मोबाइल रिश्वत के रूप में लिया। एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि झालावाड़ टीम को 5 जनवरी 2026 को एक ठेकेदार ने शिकायत दी थी। परिवादी ने बताया कि वह पीएचईडी खंड झालावाड़ में हैंडपंप रिपेयर,पाइपलाइन लीकेज सुधार और लैंड संपर्क से जुड़े कार्य कर रहा है। पूर्व में रजिस्ट्रेशन के नाम पर उससे 25 हजार रुपए वसूले जा चुके हैं। इसके बाद उसे व उसके पार्टनर को बार-बार परेशान कर काम से हटाने और डिबार करने की धमकियां दी जा रही थीं। परिवादी के अनुसार अगस्त माह से उससे आईफोन मोबाइल की मांग की जा रही थी। लेबर बिल को फर्जी बताकर भुगतान रोक दिया गया और त्योहारों पर 'कुछ नहीं देने' की बात कहकर दबाव बनाया गया। इस पर जब परिवादी अधीक्षण अभियंता विष्णु चंद गोयल से मिला तो उन्होंने बकाया बिल पास करने और भविष्य में परेशान न करने की एवज में आईफोन 16 प्रो मोबाइल की मांग की, जिसकी कीमत करीब 1.30 से 1.50 लाख रुपए बताई गई। शिकायत के आधार पर 7 जनवरी 2026 को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन कराया गया, जिसमें मोबाइल फोन की रिश्वत मांग की पुष्टि हुई।

पंचायतों के पुनर्गठन को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पंचायतों के पुनर्गठन से जुड़े मामलों को लेकर राज्य सरकार से 19 जनवरी तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह व जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश मुन्नालाल शर्मा सहित अन्य की याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

पंचायत पुनर्गठन से संबंधित संशोधित अधिसूचनाओं को चुनौती दी गई है। याचिकाओं में कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नियमों व दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है और इससे स्थानीय नागरिकों व पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों की अवहेलना हुई है। ऐसे में पंचायतों की सीमाओं में किए गए बदलावों से प्रशासनिक असुविधा होगी और आमजन को मूलभूत सुविधाओं तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पडेगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी, लक्ष्मीकांत मालपुरा और प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि पंचायत पुनर्गठन की प्रक्रिया में जनसुनवाई और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया की अनदेखी कर संशोधित अधिसूचनाएं जल्दबाजी में जारी की हैं।

सार-समाचार

बीमा दावा न निपटाने पर जुर्माना लगाया

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जालोर ने उपभोक्ता हित में अहम फैसला सुनाते हुए दी जालोर क्रेडिट को आपरेटिव सोसायटी अरणाय और एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। आयोग के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव ने आदेश दिया है कि मृतक के परिजनों को 3 लाख रुपये ऋण बीमा क्लेम राशि का भुगतान करने के साथ ही 25 हजार का जुर्माना लगाया। मामले के अनुसार परिवादी पूनमचंद विश्नोई निवासी अरणाय ने उपभोक्ता आयोग मे परिवाद पेश कर बताया कि परिवादी के पिता ने 21 जून 2017 में दी जालोर सेन्ट्रल को आपरेटिव बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण लिया था, जिसके साथ सहकार जीवन सुरक्षा बीमा एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी से क्ऋण लेते वक्त बीमा किया गया ,तब कहा गया कि एक साल के भीतर निधन होने पर ऋण माफ किया जायेगा। जिसके लिए बीमा प्रीमियम राशि 2643 प्रतिमाह भी नियमानुसार जमा की गई। ऋण लेने के कुछ महीनों बाद ही 26 अक्टूबर 2017 को उधारकर्ता की मृत्यु हो गई। इसके बाद परिवादी ने बैंक व बीमा कंपनी को सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर प्रस्तुत किए, बावजूद इसके लंबे समय तक बीमा दावा न तो निपटाया गया और न ही ऋण माफ किया गया। आयोग के अध्यक्ष धनश्याम यादव ने अपने आदेश मे स्पष्ट किया कि बीमा कराने के बाद प्राकृतिक मृत्यु होने की स्थिति में ऋण माफी का प्रावधान है। इसके बावजूद दावा लंबित रखना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत सेवा में कमी है। उन्होंने जालोर सैन्ट्रल को आपरेटिव सोसायटी व एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी संयुक्त रूप से परिवादी को तीन लाख रूपये क्लेम राशि अदा करने सहित 25 हजार का जुर्माना लगाया।

'हिन्दू सम्मेलन में अधिक लोग पहुंचे'

भीनमाल, (निसं)। निकटवर्ती गजीपुरा गांव में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन आगामी एक फरवरी को होगा। आयोजन को लेकर धर्म जागरण प्रमुख अनिल शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में देश भर के सभी मंडल केंद्र एवं शहर की बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इसी क्रम में पावली मंडल के गाजीपुरा में एक फरवरी को प्रस्तावित विशाल हिंदू सम्मेलन की तैयारी एवं व्यवस्थाओं को लेकर बैठक धुंधलेश्वर महादेव मठ गजीपुरा में महंत प्रेम भारती महाराज के सानिध्य में हुई। बैठक में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से जुडे लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयं सेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। बैठक में सम्मेलन के उद्देश्य व स्वरूप पर जिला सह कार्यवाह राजेश सैन ने विस्तृत जानकारी दी। बैठक में जिला सह कार्यवाह राजेश सैन ने आव्हान किया कि हिन्दू सम्मेलन में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी ही इसके विराट होने को सार्थक करेगी। सैन ने कहा कि हिंदू सम्मेलन समाज में एकता सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता को सुदृढ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। बैठक को कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया। बैठक में उपस्थित जनों ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया एवं महन्त प्रेम भारती महाराज के सानिध्य में एक समिति का गठन किया गया। जिसमें गजीपुरा, कारलू, साविधर, मणधर, कोडिटा, पहाड़पुरा, पावली सहित पावली मंडल के समस्त गांवों से धर्मप्रेमी शामिल रहे।

शाहजाद अली सैय्यद को दी श्रद्धांजलि

जालोर, (कासं)। अभिभाषक संघ जालौर की ओर से शुक्रवार को अभिभाषक भवन में वरिष्ठ अधिवक्ता शहजाद अली सैयद के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सचिव विक्रम सिंह सियाणा ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा में अधिवक्ताओं ने 2 मिनट का मौन रखकर सैय्यद को श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष खसाराम परिहार ने कहा कि शहजाद अली जी का निधन अभिभाषक संघ के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी हमेशा खलेगे। सैयद का अधिवक्ता के रुप में कार्य पूर्ण ईमानदारी व मिलनसार के रुप में हमेशा पहचान जायेगा। संचालन एडवोकेट अश्विन राजपुरोहित ने किया। इस दौरान उपाध्यक्ष अशोक कुमार माली, सचिव विक्रमसिंह सियाणा, कोषाध्यक्ष मनमोहन राठौड, सह कोषाध्यक्ष महेश कुमार रजक, वरिष्ठ अधिवक्ता शम्भूदान आशिया, सिकंदर अली सैय्यद, चेनाराम चौधरी, ईश्वरदान चारण, गोकुलराम परिहार, मुमताज अली सैय्यद, रमेश सोलंकी, देवेंद्र सिंह राठौड, इंद्र मेघवाल, रियाज खान, रामसिंह चम्पावत, पदमसिंह भाटी, प्रवीण कुमार चौहान, भंवर मेघवाल, प्रवीण कुमार घांची, उत्तम कुमार गेहलोत, अजय कुमार ओझा, प्रकाश खत्री, तरुण सिद्धावत, रणजीतसिंह सहित बडी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे। श्रद्धांजलि सभा के बाद अधिवक्ताओं ने वरिष्ठ अधिवक्ता के आवास पर जाकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी तथा उनके पुत्र इमरान अली को सांत्वना पत्र देकर शोक व्यक्त किया।

स्वच्छता अभियान के लिए श्रमदान

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान मदरसा बोर्ड जयपुर के आदेशानुसार मदरसा मौलाना अबुल कलाम आजाद उच्च प्राथमिक विद्यालय बालोतरा में शुक्रवार को स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मदरसा इंतेजामिया कमेटी के सदर हाडी मौलाना मोहम्मद तैय्यब, सचिव अनवर हुसैन नियारिया, प्रधान शिक्षा अनुदेशक हस्ताराम पाँचल, शिक्षा अनुदेशक मोहम्मद अकरम कुरैशी, अशरफ अली, रुहिना परवीन मौलाना अबुल कलाम आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य जमाल खान, सहायक अध्यापक देमाराम पाँचल, भरत कुमार, मोहम्मद फारुख सुमरो सहित अन्य कर्मचारी व विद्यालय के सीनियर विद्यार्थियों ने मिलकर मदरसे के कक्षा कक्षो व खेल मैदान की साफ-सफाई की। साथ ही इंतेजामिया कमेटी के सदर मौलाना मोहम्मद तैय्यब ो कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व को समझाते हुए अपने जीवन मे स्वच्छता को अपनाने पर बल दिया।

कालन्द्री पंचायत समिति बनाने से खुशी

रेवदर, (निसं)। कालन्द्री को नवगठित पंचायत समिति का दर्जा मिलने पर क्षेत्र के दर्जनों गांवों में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा। इस निर्णय पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पंचायतीराज मंत्री ओटाराम देवासी, जालोर सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, सिरोही जिला प्रमुख अर्जुन राम पुरोहित, सिरोही पंचायत समिति प्रधान हसमुख कुमार मेघवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष रक्षा भंडारी तथा कालन्द्री मंडल अध्यक्ष हिरेन्द्रपाल सिंह देवडा की गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने कालन्द्री को पंचायत समिति बनाए जाने को क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए राज्य सरकार एवं जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। पंचायत समिति बनने से प्रशासनिक सुविधाएं गांवों तक सुगमता से पहुंचेंगी और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

अनादरा-कांडला हाईवे पर गैस टैंकर लीक

रेवदर,(नि.सं.)। सिरोही जिले के अनादरा में लखावत हनुमान मोड़ के पास एक गैस टैंकर में अचानक लीकेज होने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही अनादरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे के दोनों तरफ के यातायात को पूरी तरह रोक दिया गया है। गैस रिसाव के खतरे को देखते हुए प्रशासन सतर्क है। वर्तमान में हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और राहगीरों को सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

रेवदर, (निसं)। निकटवर्ती सोरडा में एक पेड पर युवक का शव लटकता मिलने का मामला सामना आया है। युवक को लटकता देख ग्रामीणों ने मंडार पुलिस को सूचना दी। वही युवक के पास में ही पडी हुई एक बाइक मिली। युवक शिनाख्त कालाराम गरासिया निवासी मावला फली आबुरोड के रूप में हुई। घटना के बाद मौके पर लोगो की भीड जमा हो गई। सूचना के बाद हेड कांस्टेबल कांतिलाल व गणेश राम मय जाब्ता मौके पहुंचे। पुलिस के पहुंचने के बाद युवक के परिजनों को सूचना दी।

अवैध बजरी का डंपर छोड़ भागा चालक

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के माता का थान क्षेत्र में अवैध बजरी से भरे डंपर को चालक छोड़कर भाग गया। खनिज कार्यदेशक के अधिकारी की तरफ से माता का थान पुलिस थाने में चालक के खिलाफ माइनिंग एक्ट की रिपोर्ट दी है। चालक की पहचान की गई है। जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि खनिज अभियंता कार्यालय-2 कार्यदेशक अजीत सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि माता का थान क्षेत्र में अवैध रूप से लादी गई बजरी का डंपर छोडक़र उसका चालक भाग गया। उसकी पहचान लूणी के खेजड़लीकलां निवासी शराफत के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। अठिाम जांच की जा रही है।

ओम बिरला व गज सिंह ने कला, संस्कृति पर चर्चा की

जोधपुर, (नि.सं.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व पूर्व नरेश गज सिंह की शुक्रवार को उम्मेद भवन पैलेस में शिष्टाचार भेंट हुई व विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई ।इस अवसर पर महारानी हेमलता राज्ये भी उपस्थिति थी।

गज सिंह के एज्यूकेटिव असिस्टेंट पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि इस दौरान दोनों में मारवाड़ की कला, संस्कृति व पर्यटन पर विशेष बातचीत हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ने यहां आने वाले देसी वे विदेशी पर्यटकों के संबंध में भी जानकारी । उन्होंने महाराज गज सिंह के इस क्षेत्र में लगातार किए जा रहे प्रयासों की भी सराहा। उन्होंने उम्मेद भवन पैलेस के स्थापत्य कला की सराहना की।

गज सिह व लोकसभा अध्यक्ष के बीच संसद के बारे में भी बातचीत हुई। गज सिंह ने इस दौरान कहा कि राजस्थान को गर्व है कि आप लोकसभा को बेहतरीन तरीके से चला रहे हैं । गज सिंह ने कहा कि सांसद के रूप में आपने कोटा में भी काफी विकास कार्य करवाए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने गज सिंह से उनके राज्यसभा कार्यकाल के अनुभव के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान पूर्व महारानी हेमलता राज्ये ने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि आप लोकसभा बहुत ही अच्छी तरह से संचालित करते हैं, इसके लिए आपको बधाई देती हूं। वह लोकसभा की कार्यवाही अनेक बार देखती रहती है।

इस दौरान गज सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष से राजस्थानी भाषा की मान्यता पर जोर देते हुए कहा कि राजस्थानी राजस्थान के जन-जन की भाषा है, इसको अब मान्यता अवश्य मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा की राजस्थान के प्रतिनिधि के रूप में आप दिल्ली में हैं तो इसके लिए आप सभी से मिलकर विशेष प्रयास करें ,ताकि राजस्थानी भाषा को शीघ्र मान्यता मिल सके । राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए वर्षों से आवाज उठाई जा रही है ,हर स्तर पर मांग की जा रही है।

गज सिंह व हेमलता राज्ये ने लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया।

जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से रूबरू होते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारतीय संसद में पहली बार आठवीं अनुसूची में दर्ज 22 क्षेत्रीय भाषाओं में सांसद अपनी बात रखते हैं और संवाद करते हैं। अपने विचार संसद में रखते हैं। पहली बार भारतीय संसद में 22 भाषाओं में समानांतर अनुवाद हो रहा है। भारत इकलौता देश है, जहां की संसद में 22 क्षेत्रीय भाषाओं में चर्चा हो रही है।

लोकसभा अध्यक्ष की जोधपुर एयरपोर्ट पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह, जिला कलक्टर गौरव अठावाल, राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, विधायक शेरगढ़ बाबू सिंह राठौड़, पूर्व जेडीए अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने अगवानी की।

लोगों में रोष के बाद पोकरण में बूचडखानों पर कार्रवाई, 19 दुकान सीज

पोकरण, (नि.सं.)। पोकरण विधानसभा क्षेत्र के केलावा गांव में गुरुवार को अवैध बुचडखाने में गौ-मांस होने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में भारी रोष फैल गया। सूचना के बाद क्षेत्रीय विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार केलावा गांव में संचालित अवैध बुचडखाने से गौ-मांस के साथ-साथ मांस काटने में उपयोग किए जाने वाले हथियार भी बरामद किए गए, जिससे आमजन में आक्रोश और अधिक बढ गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी - एडिशनल एसपी प्रवीण कुमार सेन, पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह, पोकरण थानाधिकारी भारत रावत सहित स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। इधर नगर पालिका क्षेत्र पोकरण में अवैध रूप से संचालित मीट, मांस-गोश्त की दुकानों के खिलाफ पालिका प्रशासन ने कार्रवाई कर कई दुकानों को सीज किया है। यह कार्रवाई नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी जबरसिंह, रामस्वरूप गुचिया एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

सूत्रों के अनुसार यह पूरी कार्रवाई पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज के निर्देशों पर अमल में लाई जा रही है। पोकरण थानाधिकारी भरत रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस प्रशासन ने इस मामले में तीन आरोपियों - कालुखा, गफार एवं मुरीद खाको को हिरासत में लिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा शहर में बिना फूड लाइसेंस के संचालित 19 मीट-मांस की दुकानों को सीज किया गया है, जो खाद्य सुरक्षा नियमों का खुला उल्लंघन कर रही थीं। इसके अलावा लंबे समय से फूड विभाग द्वारा इन दुकानों से खाद्य नमूने नहीं लिए जाने की बात भी सामने आई है। कुछ अवैध बुचडखाने गैर-मुमकिन तोलाबेरा नदी की भूमि पर संचालित हो रहे थे। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखना है। कार्रवाई के बाद अवैध रूप से संचालित दुकानदारों में हडकंप है।

वहीं विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने दोषियों की गिरफ्तारी एवं कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर शनिवार को पोकरण बंद का आहवान किया है।

वहीं पोकरण व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश व्यास ने शहर के समस्त व्यापारी बंधुओं एवं नागरिकों से शनिवार को आहूत पोकरण बंद का समर्थन करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि गुरुवार को कैलावागोवंश की नृशंस हत्या की अत्यंत दुखद एवं निंदनीय घटना सामने आई है। उन्होंने सभी व्यापारी बंधुओं एवं शहरवासियों से अपील की कि वे शनिवार दोपहर 12:00 बजे, पंचायत समिति के सामने स्थित महादेव होटल के पास, पोकरण में अधिक से अधिक संख्या में आकर सहभागिता दर्ज कराएं।

जोधपुर में माहेश्वरी समाज का अन्तर्राष्ट्रीय महाकुंभ शुरू

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में माहेश्वरी समाज के महाकुंभ का शुक्रवार को शुभारंभ हो गया। पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में आयोजित इस वैश्विक सम्मेलन में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत और मारवाड़ के पूर्व नरेश गजसिंह के आतिथ्य में कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस महाकुंभ में भारत सहित दुनिया के 27 देशों से करीब 40 हजार माहेश्वरी समाजबंधु हिस्सा ले रहे हैं।

आयोजन स्थल पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप काबरा और जोधपुर माहेश्वरी समाज के मंत्री नंदकिशोर शाह ने अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए बिड़ला ने कहा कि नेतृत्व के साथ समाज हर क्षेत्र में अग्रणी है। समाज की देश के विकास व समाज के हित में बहुत बड़ी भूमिका पहले भी रही है और आगे भी जारी रहेगी। समाज के हर शोषित, पिछड़े वर्ग की मदद के लिए माहेश्वरी समाज हर जगह खड़ा रहता है। भले ही देश में माहेश्वरी समाज की जनसंख्या कम है, लेकिन प्रतिष्ठा कई गुना अधिक है।

महासभा के सभापति संदीप काबरा ने बताया कि इस महाकुंभ का उद्देश्य वैदिक भारत से वैश्विक भारत तक समाज की भूमिका तय करना है। समाज में घटती जनसंख्या को देखते हुए इस महाकुंभ में तीन या उससे अधिक संतान वाली माताओं का अभिनंदन कर जनसंख्या वृद्धि का संदेश दिया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा, समाज में बहुओं को पढ़ाने और बेटी परणाओं अभियान के तहत देशभर की चयनित महिलाओं को 50 हजार रुपए की एफडी देकर प्रोत्साहित करने की भी योजना है।

आयोजन के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित 250 बीघा क्षेत्र में एक अस्थायी शहर बसाया गया है। यहां 12 ज्योतिर्लिंगों के नाम पर 12 डोम बनाए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर एक विशाल ग्लोबल एक्सपो भी लगाया गया है, जिसमें 750 स्टॉल्स हैं।

एक्सपो में नेपाल, दुबई, यूएसए सहित कई देशों के एग्जीबीटर शामिल हुए हैं। खास बात यह है कि तीन दिवसीय एक्सपो में शहरवासी भी शामिल हो सकेंगे, जबकि मुख्य अधिवेशन में केवल रजिस्टर्ड समाजबंधु ही प्रवेश कर पाएंगे। आयोजन स्थल पर गीता बाल संस्कार डोम भी बनाया गया है, जहां श्रीमद्भगवद्गीता की ट्रेन के 8 कोच के माध्यम से बच्चों को सनातन संस्कारों से रूबरू करवाया जा रहा है। अतिथियों ने एम्स रोड पर बन रहे छात्रावास, सिवांची गेट स्थित हरनाथ बेरा में द्वारकाधीश मंदिर के भूमि पूजन और बावड़ी जीर्णोद्धार का वर्चुअल उद्घाटन किया। शाम के सत्र में मिशन आईएएस 100 और भारतीय ज्ञान परंपरा पर संबोधन हुआ। अगले दो दिनों में बिखरते परिवार, शादी की सही उम्र, रिन्यूएबल एनर्जी और बिजनेस स्केलिंग जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। मधुसूदन केला, आनंद राठी और अन्य उद्योग जगत की हस्तियां युवाओं को फाइनांशियल डिसिप्लिन और करियर पर मार्गदर्शन देंगे। 10 जनवरी को भव्य शोभायात्रा भी निकाली जाएगी।

जोराराम कुमावत ने ग्रामीणों के अभाव अभियोग सुने

पाली, (नि.सं.)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने दो दिवसीय पाली जिले के प्रवास कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को अनेक कार्यक्रमों में सहभागिता की।

केबिनेट मंत्री के आने की सूचना के साथ ही दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अभाव अभियोग लेकर मंत्री के निवास स्थान पहुंचे। निज आवास पर जनसुनवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं उनके शुभचिंतकों के द्वारा नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई दी गई। मंत्री ने भी उन सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि आप सभी के परिवारों में सुख समृद्धि का शुभागमन हो। कार्यकर्ताओं ने मंत्री को दुप्पटा ओढाकर व फूलमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया। ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने निजी और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को मंत्री के सामने रखा। जिस पर मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन संबंधित अधिकारियों को फोन पर सूचित कर समस्याओं का जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्या का जल्द से जल्द निस्तारण करें ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। निज आवास पर मंत्री ने श्री कृष्ण भक्त गुरुदेव दाताश्री महेंद्रानंद गिरी जी महाराज गादीपति श्री कृष्ण धाम गुडा मांगलियान का शॉल ओढाकर व फूलमाला पहनाकर सम्मान किया।

कुमावत ने पोमावा स्थित जोडेवाला मामाजी मंदिर में मामाधणी किरवा वीर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की । इस दौरान पोमावा पहुंचने पर मंत्री का मंदिर प्रबंधन व स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर श्री कृष्ण भक्त गुरुदेव दाता महेंद्रानंद गिरी महाराज गादीपति कृष्ण धाम गुडा मांगलियान, किसान नेता जेनेंद्र सिंह, बांकली के पूर्व सरपंच निरंजन सिंह ठाकुर, प्रधान प्रतिनिधि बिशन सिंह ठाकुर, अखिल भारतीय क्षेत्रीय महासभा के जिलाध्यक्ष सुमेर सिंह पोमावा, पूर्व उप प्रधान गजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कुमावत पोमावा के पश्चात दुजाना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को एसआईआर (सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना) प्रक्रिया के महत्व और सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में जानकारी दी।

कुमावत ने बताया कि एसआईआर में सही जानकारी दर्ज होने से पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिल सकेगा।

रामानंदाचार्य की जयंती मनाई

सायला, (निसं)। रेवतडा में शुक्रवार को आलासन रोड स्थित श्रीचारभुजा मंदिर में वैष्णव वैरागी समाज द्वारा जगतगुरु रामानंदाचार्य की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

महोत्सव के तहत साधु संतो के सान्निध्य में वरघोडे का आयोजन किया गया। वरघोडा मंदिर से रवाना हुआ, जो बिजलीघर, मुख्य बाजार से होते हुए पुन- कार्यक्रम स्थल पहुंचकर विसर्जित हुआ। वरघोडे के बाद महाआरती की गई तथा चढावों के लाभार्थियों का बहुमान किया गया। इस मौके पर महाप्रसादी का आयोजन किया। जयंती महोत्सव की पूर्व रात्रि को भजन संध्या का आयोजन किया गया।

भजन गायक श्रवणदास वैष्णव ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति दी। भजन संध्या का प्रारंभ गणेश वंदना से हुआ।

इसके बाद सत्गुरू आया पावणा..., गुरु बिन घोर अंधेरा, वारी गुरुदेव..., वायक आया गुरुदेव... सहित भजनों की प्रस्तुति दी गई। भक्ति गीतों पर श्रद्धालुओ ने भाव नृत्य किया।

फर्जी आंकड़ों से बने राजस्व गांव राईकाबाग की अधिसूचना निरस्त

जोधपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने एक अहम फैसला करते हुए भोपालगढ़ क्षेत्र में बनाए गए नए राजस्व ग्राम राईकाबाग की अधिसूचना को निरस्त करने का निर्णय लिया है। प्रशासन ने माना है कि कागजों में दिखाई गई जनसंख्या और मौके की स्थिति में जमीन-आसमान का अंतर है।

जांच में जनसंख्या के मानक पूरे नहीं होने के कारण तहसीलदार द्वारा संशोधित नाम रूपनगर के साथ भेजा गया प्रस्ताव भी प्रभावी रूप से खारिज हो गया है। कलेक्टर ने अब राज्य सरकार (राजस्व विभाग) को पत्र भेजकर 28 मार्च 2025 की अधिसूचना को औपचारिक रूप से रद्द करने की सिफारिश कर दी है। मामला भोपालगढ़ तहसील की ग्राम पंचायत रड़ौद का है। राज्य सरकार ने 28 मार्च 2025 को एक अधिसूचना जारी कर मूल राजस्व ग्राम गोपाल नगर से अलग करके राईकाबाग को नया राजस्व ग्राम घोषित किया था। इस अधिसूचना में नए गांव की जनसंख्या 387 बताई गई थी। ग्रामीण शिवकरण ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए आरोप लगाया था कि यह गांव राजनीतिक प्रभाव में नियमों को ताक पर रखकर बनाया गया है और जनसंख्या के आंकड़े झूठे हैं।

याचिकाकर्ता के वकील श्रवण दास वैष्णव ने बताया कि हाईकोर्ट के जस्टिस दिनेश मेहता की कोर्ट ने 23 मई 2025 को ही राईकाबाग के गठन की अधिसूचना को विधि विरुद्ध मानते हुए क्वैश (रद्द) कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सरकार चाहे तो नियमों के तहत दूसरे नाम से गांव बना सकती है। इसके बाद मामला खंडपीठ में पहुंचा। एक जुलाई 2025 को जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस संदीप शाह की खंडपीठ ने निर्देश दिया कि जिला कलेक्टर ग्रामीणों की आपत्तियां सुनें और जांच कर यह तय करें कि नया गांव नियमों के तहत बन सकता है या नहीं।

हाईकोर्ट के निर्देश पर कलेक्टर ने तहसीलदार भोपालगढ़ से मौका रिपोर्ट मांगी। इस जांच में प्रशासन के दावों की पोल खुल गई। अधिसूचना में राईकाबाग की जनसंख्या 387 बताई गई थी। जबकि तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट में माना कि मौके पर जनसंख्या केवल 150 है। 2011 की जनगणना के आधार पर तो यह आंकड़ा महज 108 ही था। जांच के दौरान तहसीलदार ने सुझाव दिया था कि गांव का नाम राईकाबाग की जगह रूपनगर कर दिया जाए और 150 की जनसंख्या पर ही इसे मान्यता दे दी जाए। लेकिन राजस्व ग्राम के गठन के लिए तय मापदंडों (न्यूनतम जनसंख्या व क्षेत्रफल) को यह प्रस्ताव पूरा नहीं कर सका।

जिला कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट के आधार पर माना कि जब जनसंख्या ही पर्याप्त नहीं है, तो नया राजस्व ग्राम नहीं बनाया जा सकता। कलेक्टर ने याचिकाकर्ता शिवकरण के अभ्यावेदन को स्वीकार करते हुए आदेश दिया कि 28 मार्च 2025 की अधिसूचना को निरस्त किया जाए। इस संबंध में प्रमुख शासन सचिव, राजस्व विभाग को पत्र भेजकर अधिसूचना रद्द करने की सिफारिश की गई है।

सार-समाचार

मकानों के आगे अतिक्रमण से रास्ते संकरे

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में नगरपरिषद द्वारा समय समय पर निर्माणधीन मकानो की जांच नही करने से शहर के कई गली मोहल्लो में लोगो ने मकानो के आगे अतिक्रमण करने से मार्ग संकरा होता जा रहा है। जिससे लोगो को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। जालोर शहर के राजेन्द्र नगर से गुर्जर मोहल्ला होते हुए भीनमाल बाई पास जाने वाला मार्ग, राजेन्द्र नगर, भण्डारियों का वास, सरावास, फोलावास, पुरा मोहल्ला, सहित कई जगह लोगो ने अपने मकान निर्माण से अधिक भूमि पर अतिक्रमण कर परिषद की भूमि पर कब्जा जमा लिया है। लोगो द्वारा जगह जगह मकान के आगे सीढिया, चबूतरा आदि निकालकर कब्जा करने से वाहन चालको सहित आमजन को आवागमन में परेशानी उठानी पड रही है। नगरपरिषद के जमादार व निर्माण इजाजत इंचार्ज द्वारा नगरपरिषद क्षेत्र का समय समय पर निरीक्षण नही करने से लोगो द्वारा मनमर्जी से निर्माण कर जगह जगह अतिक्रमण कर दिया है1 जिससे सीधा राजस्व नुकसान परिषद को उठाना पड रहा है। मोहल्ले वासियों ने बताया कि मकान के आगे अवैध तरीके से निर्माण कार्य करने से आवागमन में दिक्कते आने के साथ मार्ग भी संकरा होता जा रहा है। जिससे भविष्य में काफी गंभीर समस्या का सामना करना पड सकता है। लोगो ने बताया कि नगरपरिषद को कई बार मार्ग पर अवैध अतिक्रमण करने की सूचना दी। लेकिन नगरपरिषद द्वारा कोई कार्यवाही नही करने से लोगो के हौसले बुलंद है तथा अवैध अतिक्रमण लगातार जारी है।

दुष्कर्म के आरोपी पिता की सजा बरकरार

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 12 साल की नाबालिग बेटी से रेप करने वाले पिता पर अहम फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अपील खारिज करते हुए निचली अदालत द्वारा सुनाई गई मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि सरकार पीड़िता को 7 लाख रुपए का मुआवजा दे। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बाप-बेटी के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाले ऐसे अपराध में किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जा सकती। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसी नैतिक गिरावट के प्रति दिखाई गई कोई भी नरमी न केवल न्याय प्रशासन को कमजोर करेगी, बल्कि बच्चों को यौन शोषण से बचाने के संवैधानिक और वैधानिक दायित्व से गंभीर पल्ला झाड़ने के बराबर होगी। घटना 12 अगस्त 2022 की है।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय की बैठक हुई

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा जालोर की बैठक का आयोजन मण्डलनाथ महादेव मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार को उपशाखा सभा अध्यक्ष गोपीलाल गर्ग की अध्यक्षता और उपशाखा अध्यक्षा मीना परमार के निर्देशन में हुआ। बैठक में आगामी कर्तव्य बोध सप्ताह के आयोजन को लेकर तैयारियों पर चर्चा की तथा शिक्षक संघ राष्ट्रीय के द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर में निकलने वाली शोभा यात्रा के सहयोग निम्मित ग्यारह हजार रुपए सहयोग राशि देने का निर्णय लिया गया। उपशाखा मंत्री मनोज दवे ने बताया कि आयोजन को लेकर विभिन्न कार्यो और प्रभाग के लिण दायित्व सौंप कर तैयारियों प्रारंभ की गई। इस अवसर पर संभाग महिला संगठन मंत्री रेखा राठौड, जिला सह संगठन मंत्री गणपतसिंह मंडलावत, कोषाध्यक्ष जयेश सुंदेशा, अर्चना गहलोत, हरीश सांखला, कृष्णपालसिंह सामूजा, मंगलसिंह बालोत, अनिल सोलंकी, सीता ओड, कन्हैया लाल भांड, जसपालसिंह, प्रमोद दवे आदि उपस्थित रहे।

जेडीए ने दुकानें अतिक्रमण मुक्त कराई

जोधपुर,(कासं)।जेडीए दस्ते द्वारा गुरुवार को तहसीलदार जोन-3 डॉ. हंसराज राठौड़ के निर्देशन में शास्त्री सर्किल स्थित प्राधिकरण के स्वामित्व की 13 बेशक़ीमती दुकानों को अतिक्रमण मुक्त कर कराया गया। कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-3 जोगेन्द्रसिंह चौधरी, प्रवर्तन निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा व योगेश गहलोत, कनिष्ठ अभियंता हीरसिंह मय अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा की गयी। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी के निर्देशानुसार प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा अवैध कॉलोनियों, सड़क मार्गाधिकार व हरित पट्टी के अतिक्रमणों, अवैध निर्माणों एवं अतिक्रमणों पर निरन्तर सख्त कार्यवाही के क्रम में यह कार्यवाही कदम उठाया गया।

लूट व हत्या करने का दूसरा आरोपी पकड़ा

भीनमाल, (निसं)। कोड़िटा गांव के ओरण में गत 9 दिसम्बर को एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ मारपीट कर कानों में पहनी हुई सोने की मुकरियां व हाथों में पहने चांदी के कड़े लूटकर उसकी हत्या करने के आरोप में पुलिस उपाधीक्षक शंकर लाल मसूरिया ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सह आरोपी पन्नाराम पुत्र गंगाराम जाति बागरी निवासी नून पुलिस थाना बागरा हाल निवास धवला रोड, न्यू रामदेव कॉलोनी, मालनाथ की ढाणी जालोर को पुलिस ने जोधपुर शहर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल लाभूराम, कांस्टेबल भरत कुमार, रतना राम व दीपाराम शामिल रहे।

लारेंस का गुर्गा बताकर बदतमीजी की

जोधपुर, (कासं)। झालामंड स्थित मीरा नगर में एक घर में घुसकर कुछ बदमाशों ने महिला को परिवार के जान की धमकीं दी। उसे बंदूक दिखाकर डराने के साथ नीचे गिराया और आपत्तिजनक हरकतें की। महिला से खाली पेपर व स्टांप पर जबरन अंगूठा करवा लिया। महिला ने अब प्रोपर्टी हड़पने की आशंका के चलते पुलिस की शरण ली है। घटना 28 दिसंबर की है। पुलिस ने नौ दिन बाद केस दर्ज किया है। अठिाम जांच की जा रही है।

पाली में चुनाव प्रकोष्ठ गठित

पाली, (नि.सं.)। जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पंच के आम चुनाव की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए विभिन्न चुनाव प्रकोष्ठ गठित कर अधिकारियों को प्रकोष्ठ के लिए प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एलएन मंत्री ने बताया कि आगामी पंचायतीराज आम चुन.ाव के लिए पुलिस व्यवस्था के लिए जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सनवाडा में पानी की टंकी की मांग

रेवदर, (निसं)। पंचायत समिति रेवदर की ग्राम पंचायत सानवाडा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी की टंकी का निर्माण नहीं होने को लेकर भाजपा सिरोही जिला प्रवक्ता दीपेन्द्र सिंह देवडा ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा। देवडा के आग्रह के बाद अधीक्षण अभियंता ने सानवाडा में वर्तमान में उपलब्ध जल स्त्रोत के आधार पर पानी की टंकी निर्माण के लिए जयपुर कार्यालय को प्रस्ताव भेजा है।

कचहरी में फिर टकराए पुलिस-वकील

जोधपुर, (कासं)। कचहरी परिसर में शुक्रवार को अधिवक्ताओं और पुलिस के बीच एक मामूली सडक़ दुर्घटना को लेकर विवाद खड़ा हो गया। गाडिय़ों में मामूली टक्कर के बाद माफी मांगने को लेकर वहां जोरदार हंगामा हो गया। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मध्यस्थता से मामला सुलझ गया। गौरतलब है कि बीते दिसंबर महीने में भी कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीर सिंह व कांस्टेबल (रीडर) नरेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया था। इस बार अधिकारियों ने इस मामले को संभाल लिया।

सीमांकन विवाद, आंदोलन की चेतावनी

धोरीमन्ना,(निसं)। जिला सीमांकन विभाग को लेकर चल रहे धरने के सातवें दिन बाडमेर नि वर्तमान जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री व निवर्तमान प्रधान शमा बानो ने भी शिरकत की और भजनलाल सरकार को आडे हाथों लिया। महेंद्र चौधरी ने कहा कि बड़े आंदोलन से ही सरकार बैक फुट पर आएगी और झुकेगी।

लखावत आएंगे

जालोर, (कासं)। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण जयपुर के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत 10 जनवरी को जालौर जिले के दौरे पर रहेंगे।

लखावत 10 जनवरी, को प्रातः 8 बजे जालोर में वीरमदेव कान्हड़देव चौहान निर्माणाधीन पैनोरमा का निरीक्षण करेंगे।

कार्यालय नगर परिषद जालोर (राज.)
(अस्पताल चौराहा जोधपुर रोड जालोर-343001)
Tel-02973-222270, E-mail:mbjalore24@yahoo.in
क्रमांक-नपजा/भूमि नियमन/2026/6700 दिनांक-5/1/26
आपत्ति आमंत्रण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद क्षेत्र जालोर में लीज होल्ड फ्री होल्ड एवं 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया जाकर पट्टे की मांग की गई है। इस संबंध में किसी व्यक्ति आदि को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो लिखित प्रार्थना-पत्र मय साक्ष्य आपत्ति सूचना पत्र के प्रकाशन होने के 07 दिवस के भीतर-भीतर नगर परिषद कार्यालय प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि उपरान्त किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं आवेदकों के नाम पट्टा जारी करने की कार्यवाही की जावेगी।
क्र.स.-1, प्रकरण संख्या-11/2025-26, आवेदक का नाम/पता व भूखण्ड का पता-श्री राजेन्द्र कुमार गुर्जर पुत्र फुसाराम गुर्जर राजेन्द्र नगर मैन रोड जालोर, आड़ौस-पड़ौस चतुर्धदर्शी- उत्तर-राजेन्द्र नगर रोड, दक्षिण-शंकरसिंह/अमरसिंह, पूर्व-गंगाराम का मकान, पश्चिम-संगीतादेवी का मकान, भूखण्ड का क्षे.(वर्गगज)-290.00, प्रयोजन का प्रकार-मिश्रीत
आयुक्त, नगर परिषद जालोर

जनजाति क्षेत्र से जुड़े सुझावों को बजट में समाहित किया जाएगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा की

जयपुर, 9 जनवरी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं का समाज से विशेष जुड़ाव होता है और वे समाज की चुनौतियों और आवश्यकताओं से भली-भांति परिचित होती हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनजाति क्षेत्र से जुड़े सुझावों को आगामी बजट में समाहित करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे प्रदेश में जनजाति कल्याण को नई दिशा मिल सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेणेश्वर धाम व मानगढ़ धाम को ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के अन्तर्गत विकसित किया जा रहा है। बेणेश्वर धाम में सोम, माही व जाखम नदी के संगम पर विशाल आदिवासी मेले को और भव्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।**

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनजाति संस्कृति तथा वैभव को संरक्षित करने के साथ ही पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। हमारी सरकार बेणेश्वर धाम तथा मानगढ़ धाम को ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के अंतर्गत विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम में सोम, माही और जाखम नदी के संगम पर विशाल आदिवासी मेले को और भव्य बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिससे नई पीढ़ी को जनजाति इतिहास और संस्कृति से जोड़ा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने गत बजट में जनजाति विकास कोष की राशि को एक हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर एक हजार 750 करोड़ रुपये करने की घोषणा की।

बैठक में उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, सलूंबर, बारां, सिरोही सहित, प्रदेश के विभिन्न जिलों के जनजाति कल्याण से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थाओं ने जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा, आधारभूत संरचना, रोजगार, सिंचाई सहित, जनजाति कल्याण से जुड़े विषयों पर सुझाव दिए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास कुंजी लाल मीणा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित, संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनजाति क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रुस के जब्त किए टैंकर से दो लोगों की रिहाई

मास्को, 09 जनवरी। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर मैरिनेरा के रूसी चालक दल के दो सदस्यों को रिहा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले का स्वागत किया है।

मंत्रालय ने जारी किए एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह कदम क्रेमलिन के एक अनुरोध के जवाब में उठाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, हम इस फैसले का स्वागत करते हैं और अमेरिकी नेतृत्व के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

- **ये दोनों व्यक्ति रशियन हैं और रुस ने इनकी रिहाई के लिए ट्रंप को धन्यवाद कहा।**

इससे पहले, बुधवार को अमेरिकी यूरोपीय कमान ने स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मैरिनेरा को जब्त करने की घोषणा की थी। अमेरिकी युद्धपोतों ने कैरिबियन सागर से ही इस टैंकर का पीछा किया था। बेला वन, के पुराने नाम वाले इस टैंकर को वेनेजुएला के तेल निर्यात से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के आरोप में रोका गया था। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे जिनमें दो रूसी, 17 यूक्रेनी, तीन जॉर्जियाई और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। अमेरिका ने पिछले साल के अंत में इस टैंकर पर तब नजर रखनी शुरू की थी जब इसने वेनेजुएला के पास जाने की कोशिश की थी। उस समय टैंकर के कप्तान ने अमेरिकी कोस्ट गार्ड की जहाज पर चढ़ने की मांग को ठुकरा दिया था और अटलांटिक महासागर की ओर अपना रास्ता बदल लिया था।

खाजूवाला के पास ढाई करोड़ रूपए की हैरोइन पकड़ी

बीकानेर, 9 जनवरी (निसं)। भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ को बड़ी सफलता मिली है। खाजूवाला उपखंड क्षेत्र के चक 40 केजेडी इलाके में पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने करीब आधा किलो हेरोइन जब्त की है। जब्त की गई हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई बीएसएफ बीकानेर इंटेलिजेंस से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हेरोइन ड्रोन के जरिए सीमा पार से फेंकी गई थी। हालांकि इस मामले में फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, बीते कुछ दिनों से बीएसएफ की जी ब्रांच को बॉर्डर एरिया में हेरोइन तस्करी को लेकर लगातार इनपुट मिल रहे थे। खासतौर पर घने कोहरे के चलते तस्करों द्वारा

- **घने कोहरे की आड़ में सीमा पार से ड्रोन द्वारा यह हैरोइन फेंकी गई थी।**

ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ भेजे जाने की आशंका जताई जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए बीएसएफ इंटेलिजेंस पूरी तरह सतर्क थी और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन की रणनीति बनाई गई। अलसुबह खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ की टीम ने चक 40 केजेडी क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी के दौरान एक संदिग्ध पैकेट मिला, जिसे खोलने पर उसमें करीब 500 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। तुरंत मौके पर मौजूद अधिकारियों को सूचना दी गई और क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला और खाजूवाला थाना एसएचओ सुरेन्द्र प्रजापत के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। बीएसएफ के जवानों ने भी इलाके में गश्त बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस और बीएसएफ की टीमें आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं, ताकि तस्करों का कोई सुराग मिल सके।

पुलिस द्वारा जब्त किए गए पैकेट पर एक गोल मुहर लगी हुई है। मुहर पर '111' और '2023' अंकित है। इसके अलावा मुहर पर एक लॉयन की आकृति बनी हुई है और साथ में अंग्रेजी में लायन लिखा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां इस मुहर के जरिए तस्करी नेटवर्क से जुड़े सुराग जुटाने में लगी हुई हैं। मामले के बाद से सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। ड्रोन मूवमेंट पर कड़ी नजर रखी जा रही है और रात के समय गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े लोगों तक पहुंचने के प्रयास किए जाएंगे। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और बरामद हेरोइन को सुरक्षित रखवाया गया है।

रुस ने यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइल दागी

मास्को, 09 जनवरी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना ने ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग करते हुए यूक्रेन की महत्वपूर्ण सुविधाओं पर बड़ा हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में उच्च सटीकता वाले लंबी दूरी की जमीनी एवं समुद्री हथियारों के साथ-साथ लड़ाकू ड्रोन भी शामिल थे। इसने आगे कहा कि लक्ष्यों में ड्रोन उत्पादन सुविधाएं और यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक परिसर के संचालन में सहायक ऊर्जा अवसंरचना शामिल थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल उच्च गति प्राप्त करने में सक्षम है। नवंबर 2024 में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पुष्टि की थी कि रूस ने मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया और यूक्रेन के निप्रो शहर में लक्ष्यों को निशाना बनाया। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला 30 दिसंबर, 2025 की रात नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर लंबी दूरी के हमलावर ड्रोनों द्वारा किए गए कथित यूक्रेनी हमले के जवाब में किया गया।

संसद का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का अभिभाषण होता है और उसके बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों की परंपरा के अनुसार, इसके अलगे दिन एक फरवरी को बजट पेश किया जाता है।

पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर और बजट पर चर्चा होती है। इसके बाद अवकाश के दौरान संसद की समितियां बजट पर मंत्रालय-वार विस्तृत चर्चा करती हैं। दूसरे चरण में वित्त विधेयक और अनुदान मांगों पर चर्चा होती है और उन्हें पारित किया जाता है।

आई पैक पर ईडी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंघवी ने कहा, "ईडी अब राजनीतिक सलाहकारों पर छापे मार रहा है, क्योंकि वह तथ्यों, सच्चाई या विश्वसनीयता पर छापे मारने में असफल हो चुका है। कोलकाता में आई पैक पर छापा भाजपा के दबाव की नीति का एक और उदाहरण है। जब लोकतंत्र असुविधाजनक हो जाता है, तो एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।"

संयोगवश, सिंघवी ने कई हाई प्रोफ़ाइल मामलों में ममता सरकार का सुप्रीम कोर्ट और कलकत्ता उच्च न्यायालय में प्रतिनिधित्व किया है।

हालांकि, इस मामले पर राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पांच बार के लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने एक बिलकुल अलग राय व्यक्त की, जिन्होंने ईडी की कार्रवाई के प्रति ममता बनर्जी की घबराहट पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री को आई पैक के बारे में क्यों सिरदर्द हो रहा है? इसके पीछे निश्चित रूप से कोई रहस्य है।" संयोगवश, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता, सुवेन्दु अधिकारी ने भी गुरुवार को वही सवाल उठाया था, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ ईडी की छापेमारी के दौरान जैन के आवास और आई पैक कार्यालय में घुसीं और कथित तौर पर कुछ फाइलें और इलैक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ लेकर वहां से निकलीं।

अधिकारी ने कहा, "मुख्यमंत्री को एक निजी कॉर्पोरेट इकाई के कार्यालय पर ईडी के छापे को लेकर इतनी चिंता क्यों हो रही है?" ज्ञातव्य है कि आई पैक सन् 2020 से ही तृणमूल कांग्रेस के लिए वोट-रणनीति एजेंसी के रूप में काम कर रहा है।

'जोधपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे जेल में चल रहे भ्रष्टाचार से मुंह नहीं मोड़ सकते। अदालत ने कहा कि इस मामले में भी यह पता लगाना अत्यन्त आवश्यक है कि कैदी कौन से सेल में बंद था, जब उस पर जानलेवा हमला हुआ, उसके साथ और कौनसे कैदी बंद थे, और उस सेल की निगरानी करना किस जेल अधिकारी की जिम्मेदारी थी। अदालत ने अपने आदेश में जांच के अनौपचारिक रवैये को देखते हुए कहा कि समय के साथ साक्ष्य और तथ्य धूमिल और नष्ट हो जाते हैं और सच का पता लगाना मुश्किल या नामुमकिन हो जाता है। इसलिए जांच त्वरित की जानी चाहिए।

अदालत ने इस मामले में जोधपुर सेन्ट्रल जेल के जेलर, जेल के अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक को सत्यापन पत्र जारी कर बताने को कहा है कि किन स्थिति में कैदी की मृत्यु हुई थी। इस सत्यापन पत्र की कॉपी की प्रति जोधपुर मेट्रो के जिला जज को भी भेजी जायेगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने न्यायिक हिरासत में मारे गये कैदी के परिजनों द्वारा दायर याचिका को स्वीकार किया और त्वरित कार्रवाई के आदेश दिये।

अंकिता भंडारी केस की जांच सीबीआई करेगी

उत्तराखंड सरकार ने मामला सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है

देहरादून, 09 जनवरी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले मे एक रिसॉर्ट की कर्मचारी अंकिता भंडारी की मौत और दोषियों को आजीवन कारावास की सजा घोषित होने के बाद, मामले में किसी वीआईपी के शामिल होने से संबंधित दावों तथा लगातार चल रहे प्रदर्शनों के मद्देनजर शुक्रवार को राज्य सरकार ने इस प्रकरण की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का फैसला किया और कहा कि इसके लिए संस्तुति की जा रही है।

प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किये जा रहे थे। विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने इस मांग को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बन्द का आ ान किया था।

- **ज्ञातव्य है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में धरना प्रदर्शन चल रहा है।**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) का गठन किया गया।

आरोप है कि रिसॉर्ट में अंकित भंडारी पर विशेष सेवा देने के लिए दवाब डाला गया था और इससे मना करने पर उसकी हत्या कर दी गयी थी। निचली अदालत ने इस मामले में रिसॉर्ट के मालिक समेत तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनायी थी। हाल ही में एक ऑडियो क्लिप में इस प्रकरण में किसी वीआईपी के भी शामिल होने की बात कही गयी है, जिसके बाद मामले की जांच सीबीआई से कराने को लेकर धरना प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हुआ।

राजकोट में भूकंप के झटके

भूकंप के झटकों के कारण प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी कर दी

राजको, 09 जनवरी। गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर, धोराजी, उपलेटा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गये। यहां एक के बाद एक, भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। यहां एक के बाद एक, भूकंप के करीब 7 झटके महसूस किए गए। बार-बार आ रहे भूकंपीय झटकों के चलते स्थानीय अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरे लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार,

- **पहला झटका सुबह 6.19 पर आया उसके बाद 8.34 तक 7 झटके आए सभी की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.3 से 3.8 नापी गई।**

इन सभी भूकंपों का केन्द्र मुख्य रूप से उपलेटा से 27 से 30 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व (ईएनई) दिशा में दर्ज किया गया। भूकंप की गहराई जमीन से 6.1 किलोमीटर से 13.6 किलोमीटर के बीच थी। इससे पहले, कल रात 8:43 बजे इसी क्षेत्र में 3.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था।

लगातार आ रहे भूकंप के झटकों के कारण, जेतपुर, धोराजी और उपलेटा पंथकों के ग्रामीण इलाकों में लोग खुद को सुरक्षित करने के लिए घरों में रहने के बजाय सड़कों और खेतों में निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह है कि इससे अब तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

'कार्यकर्ता एनसीपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सभी तनाव समाप्त हो गए हैं।"

एनसीपी की स्थापना शरद पवार ने की थी। दो साल पहले जब उनके भतीजे अजित पवार ने विद्रोह किया था, तब पार्टी विभाजित हो गई थी। इसके बाद अजित पवार एनडीए में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बने।

अजित पवार को पार्टी का मूल नाम और मूल निशान "घड़ी" मिला, जबकि शरद पवार के गुट को नया नाम, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और नया निशान, "ट्रम्पैट" मिला।

दोनों गुटों ने पिंपरी-चिंचवड़ नगरपालिका चुनाव के लिए एकजुट होने का निर्णय लिया है।

लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले, शरद पवार की बेटी और अजित पवार की चचेरी बहन, ने भी पुष्टि की कि एनसीपी के दोनों गुट पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग पर पिंपरी-चिंचवड़ चुनाव के लिए एकजुट हुए हैं।

उन्होंने कहा कि "ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि यह गठबंधन अजित पवार के साथ जारी रहेगा या नहीं।"

सुले ने महाराष्ट्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार में एनसीपी (शरद पवार) के शामिल होने और उनके मंत्री बनने की अफवाहों को भी खारिज किया और कहा, "जो लोग इस तरह की अफवाहों से खुश हैं, उन्हें ही यह बात करने दो।"

दिल्ली में सब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोहरे और कम विजिबिलिटी को ध्यान में रखकर छात्रों की सुरक्षा के लिए लागू की गई हैं।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान 5-8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है, जिससे सुबह के समय घना कोहरा छाया रहता है। इससे बच्चों का स्कूल जाना जोखिम भरा हो गया था। आईएमडी ने भी शीत लहर और कोहरे की चेतावनी जारी की है, जिसके चलते यात्रा प्रभावित हो रही है। कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए कुछ स्कूल ऑनलाइन क्लासेस या अतिरिक्त पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं, लेकिन छोटे बच्चों (प्राइमरी और मिडिल) के लिए स्कूल पूरी तरह बंद रहेंगे।

आतंकवाद पर पाकिस्तान का रुख बदलने तक निलम्बित रहेगी सिंधु जल संधि

विदेश मंत्रालय ने यह टिप्पणी करते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया

नयी दिल्ली, 09 जनवरी।) भारत ने पाकिस्तान की सिंधु जल संधि को भारत के लिए बाध्यकारी बताने की टिप्पणी को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह संधि निलंबित है और सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रूख में बदलाव नहीं होने तक निलंबित ही रहेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा ," सिंधु जल संधि पर भारत अपनी स्थिति कई बार स्पष्ट कर चुका है। यह संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी, जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद की गतिविधियों को बंद नहीं कर देता।"

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने

- **पाकिस्तान का कहना है कि सिंधु जल संधि बाध्यकारी है और वह भारत द्वारा चिनाब व झेलम पर किए जाने वाले निर्माण को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाएगा।**

कहा है कि सिंधु जल संधि भारत के लिए बाध्यकारी है और वह चिनाब तथा झेलम नदी पर भारत की विकास परियोजनाओं के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठायेगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने कड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत ने कहा है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकता। भारत ने स्पष्ट कहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक यह संधि स्थगित ही रहेगी। राजधानी दिल्ली में तुर्कमान गेट क्षेत्र में अवैध कब्जे को हटाये जाने के बारे में पाकिस्तान की टिप्पणी से संबंधित सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि पहले पाकिस्तान को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह अल्पसंख्यकों के साथ खुद किस तरह का व्यवहार कर रहा है।

गौरतलब है कि अवैध कब्जे को हटाये जाने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया था कि भारत में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलग-अलग शहरों में क्यों गई। इसका विरोध करते हुए पीड़िता के वकील दिवेश शर्मा ने कहा कि पुलिस जांच में साबित है कि दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती थी। इसके अलावा, पीड़िता की ओर से बताए होटलों में दोनों के ठहरने का रिकॉर्ड भी मिला है। आरोपी ने मई माह में आईपीएल मैच के दौरान पीड़िता को होटल में मिलने बुलाया था और उसके साथ संबंध बनाए थे। इस दौरान पीड़िता के मना करने पर उसने उसे क्रिकेट में करियर बनाने में सहायता करने और पिता के केस में आर्थिक मदद की बात कही थी। इसके अलावा, घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी तो उसकी सहमति भी कोई मायने नहीं रखती है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने प्रकरण के जांच अधिकारी को पेश होने के आदेश दिए हैं।

क्या केन्द्र सरकार हिम्मत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत में लागू होने वाले सामान्य कानून मुख्यमंत्री की मर्जी से निलंबित हो जाते हैं। अब यह चुनावी साल में केन्द्र सरकार और ममता बनर्जी के बीच सियासी खींचतान जैसा लग रहा है। ई.डी. के अधिकारियों को, उचित कानूनी आदेशों के बावजूद, अपना सामान्य काम करने से रोकना, अवैध खनन से जुड़े अहम सबूत चुराना और पैसों को हवाला के जरिए घुमाना, ये सभी काम कानून के तहत स्पष्ट अपराध हैं। अब देखना होगा कि क्या ममता बनर्जी अपने हंगामे जारी रखकर जीत हासिल करती हैं या केन्द्र सरकार में उनके खिलाफ कल किए गए अपराधों पर कार्रवाई करने का साहस है। इस संघर्ष का राजनीतिक असर पड़ना तय है। केन्द्र को उनके हर दबाव और धमकी के सामने अपनी दृढ़ता दिखानी चाहिए।

कल ई.डी. कोलकाता में आई-पैक कंसल्टेंसी के दफ्तर में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर रहा था। तभी पहले डिप्टी कमिश्नर और फिर कोलकाता के पुलिस कमिश्नर ने ई.डी. अधिकारियों को डराने-धमकाने की कोशिश की।

जब ई.डी. अधिकारी अपने पहचान पत्र और वारंट दिखा रहे थे, तभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और उन्होंने खुद आई-पैक कार्यालय से सभी जरूरी कागजात, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कंप्यूटर जब्त कर लिए और उन्हें अपने साथ ले गईं।

आश्चर्य नहीं कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस कार्रवाई को प्रवर्तन निदेशालय की जांच से जुड़े सबूत और आपत्तिजनक सामग्री की खुली चोरी बताया। यह धन शोधन निवारण अधिनियम (पी.एम.एल.ए.) के तहत एक गंभीर अपराध है। इस काम की गंभीरता को जानते हुए और अपनी गलती छिपाने के लिए ममता ने, हमेशा की तरह, राजनीतिक ढाल का सहारा लिया। ममता बनर्जी ने कोलकाता में सड़क पर रैलियां निकालीं और आरोप लगाया कि ई.डी. उनकी पार्टी की चुनावी रणनीति से जुड़ी एक कंसल्टेंसी फर्म से सामग्री उठा ले गया है। इसके बाद ई.डी. ने कोलकाता हाईकोर्ट से राहत मांगने की कोशिश की। लेकिन ममता बनर्जी के साथियों ने अदालत कक्ष को इस तरह जाम कर दिया कि ई.डी. के वकील भी वहां पहुंच नहीं सके। मजबूर होकर जज ने ई.डी. की याचिका पर सुनवाई टाल दी और नई तारीख तय कर दी।

प्रियंका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पूरी तरह से युद्धस्तरीय तैयारी करनी होगी, और सुनिश्चित करना होगा कि कोई कमी न छूट जाए।

प्रियंका ने सचिन पायलट को केरल के लिए मुख्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जहां कांग्रेस पार्टी भारी आंतरिक कलह से जूझते हुए वापसी की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, वहाँ के.सी. वेणुगोपाल की बड़ी मौजूदगी भी है, जो कांग्रेस में सत्ता को नियंत्रित करते हैं।

प्रियंका को वेणुगोपाल की कार्यशैली ज्यादा पसंद नहीं है। वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि पार्टी वेणुगोपाल की दादागिरी के कारण हार न जाए। इसीलिए सचिन पायलट को भेजा गया है, ताकि प्रियंका को फीडबैक मिल सके और केरल में कांग्रेस नेताओं के बीच बराबरी का माहौल बने।

राजस्थान में, वेणुगोपाल अशोक गहलोत, डोटासरा, और रंधावा का समर्थन कर रहे हैं, और वे सचिन पायलट के साथ नहीं हैं। यही कारण है कि राजस्थान में संघर्ष और दिलचस्प हो गया है।

अगर कांग्रेस असम में जीत जाती है, तो प्रियंका के लिए यह एक बड़ी सफलता होगी, जिससे कांग्रेस की राजनीति और भी रोमांचक हो जाएगी।

'वर्ष 2025 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने में असहज थे, इसलिए मोदी ने फोन नहीं किया।" लटनिक ने यह भी कहा कि भारत समय-सीमा पूरी नहीं कर पाया, जिसके चलते अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम सहित, कई एशियाई देशों के साथ व्यापार समझौते आगे बढ़ा दिए।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने आगे कहा कि इन एशियाई देशों के साथ हुए व्यापार समझौते ज्यादा ऊंची दरों पर किए गए, क्योंकि अमेरिका को उम्मीद थी कि भारत के साथ समझौता जल्दी पूरा हो जाएगा। लटनिक ने कहा, "जब भारत ने बाद में, समय-सीमा खत्म होने के करीब तीन हफ्ते बाद, अमेरिका से संपर्क किया, तो उसे बताया गया कि यह मौका अब खत्म हो चुका है।" अगस्त 2025 से भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा है। अमेरिकी सरकार एक ऐसे विधेयक को पारित करने की प्रक्रिया में है, जो चीन और भारत जैसे उन देशों पर, जो रूस से तेल आयात करते हैं, 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की अनुमति देगा।

अमेरिका वेनेज़ुएला में 9000 अरब रुपए का निवेश करेगा

वॉशिंगटन, 09 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेज़ुएला पर अब और हमले नहीं किये जायेंगे और अमेरिका वहां 100 अरब डॉलर (करीब 9000 अरब रुपये) का निवेश करेगा।

वाइट हाउस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हवाले से कहा गया है कि वह वेनेज़ुएला में निवेश के लिए तेल कंपनियों के समूह से मुलाकात करेंगे।

उन्होंने लिखा है, "वेनेज़ुएला शांति की तलाश के संकेत के तौर पर बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह एक बहुत ही जरूरी और शानदार कदम है। इस सहयोग की वजह से पहले से उम्मीद की जा रही हमलों की दूसरी लहर को मैंने रद्द कर दिया है। इसकी जरूरत नहीं लगती। सुरक्षा के लिहाज से हालांकि सभी जहाज अपनी जगह पर रहेंगे।" इतना ही नहीं अमेरिका ने वेनेज़ुएला के साथ बदलते रिश्तों के भी संकेत दिये हैं और यह भी लिखा है कि अमेरिका वहां बड़ा निवेश करने वाला है। इसके लिए वह तेल कंपनियों के समूह "बिग ऑयल" से मिलेंगे। ट्रम्प ने लिखा, "अमेरिका और वेनेज़ुएला एक साथ मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं, खासकर जब बात अपने तेल और गैस के संरचनात्मक ढ ांचे को ज्यादा बड़े, बेहतर और ज्यादा आधुनिक तरीके से फिर से बनाने की हो।

- **अमेरिका ने यह भी कहा कि अब वेनेज़ुएला पर हमला नहीं किया जाएगा**
- **वाइट हाउस के अधिकारिक एक्स हैंडल पर ट्रंप के हवाले से कहा गया कि वे वेनेज़ुएला में निवेश के लिए तेल कंपनियों से बात करेंगे।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

अब रिफाइंड शुगर को बोलो बाय बाय

FIXED PRICE

- जंगली भिंडी (अबेल्मास्कुस मानीहाट) के रस से प्रोसेस किया हुआ जैविक गुड़
- No Additives • No Bleaching • 100% केमिकल फ्री प्रोसेसिंग
- गन्ने के रस से देशी तरीके से बना • कास्टिक सोडा रहित

देशी गुड़

देशी गुड़ पाउडर

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- धनिया (साबुत)
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- देशी गुड़
- देशी गुड़ पाउडर

KEDIA™ Pavitra

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.